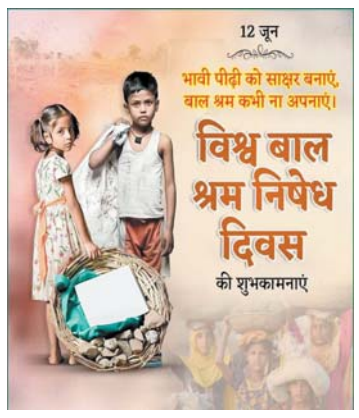

दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 299/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 12 जून 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

### डिजिटल सफर को लेकर देश की युवा शक्ति की जमकर सराहना की

# युवाओं की ताकत से भारत बना टेक्नोलॉजी में अगुवा: मोदी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के डिजिटल सफर को लेकर देश की युवा शक्ति की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में भारत ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, उसके पीछे युवाओं की अहम भूमिका रही है। पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत के युवाओं की मदद से हम इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में



उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। इससे न केवल हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक टेक्नोलॉजिकल महाशक्ति के रूप में उभर भी रहे हैं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि टेक्नोलॉजी की ताकत से देश के लोगों को कई फायदे हुए हैं। सर्विस डिलीवरी बेहतर हुई है, पारदर्शिता बढ़ी है और टेक्नोलॉजी आज सबसे गरीब व्यक्ति के जीवन को भी सशक्त बनाने का साधन बन चुकी है।

### डिजिटल इंडिया को सलाम

भारत सरकार के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म माय गवर्मेंट इंडिया ने भी इस अवसर पर प्रधानमंत्री की डिजिटल इंडिया पहल की तारीफ की। पोस्ट में लिखा गया कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत एक डिजिटल इनोवेशन और तकनीक-आधारित शासन का वैश्विक केंद्र बन चुका है। चाहे बात मैन्युफैक्चरिंग की हो या स्पेस टेक्नोलॉजी की, डिजिटल पेमेंट्स की हो या ग्रामीण कनेक्टिविटी की, इन सभी क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय और स्थाई बदलाव किए हैं।

### लोगों को पता है क्या हो रहा है

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश की जनता को पता है कि क्या हो रहा है। चूंकि बीते 11 साल में सरकार ने कई नकारात्मक धारणाओं को तोड़ते हुए देश के समक्ष नया नजरिया पेश किया है। लोग बदलाव को महसूस कर रहे हैं और इसमें तेजी चाहते हैं। हमें सकारात्मक बदलाव में जन भागीदारी के माध्यम से तेजी लानी है। इसलिए मंत्री देश के अलग-अलग हिस्सों में जाएं और सिर्फ अपने मंत्रालय की उपलब्धियों, नीतियों और कार्यक्रमों पर ही बात करें। सकारात्मक बदलाव के लिए लोगों की न सिर्फ राय जानें, बल्कि उस पर अमल करने का रास्ता भी तलाशें।

### पीएम की मंत्रियों को नसीहत विवादित टिप्पणियों से बचें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों को विवादित टीका-टिप्पणी से बचने और सिर्फ अपने मंत्रालय की उपलब्धियां बताने तक ही खुद को सीमित रखने के निर्देश दिए हैं। पीएम मोदी ने बुधवार को हुई बैठक में मंत्रियों से कहा कि बेवजह की विवादास्पद राजनीतिक टिप्पणियों से खुद को दूर रखें। उन्होंने सभी मंत्रियों को उपलब्धियां गिनाने के लिए व्यापक तैयारी करने का भी निर्देश दिया। सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा, बीते 11 साल के कार्यकाल में सरकार ने पूर्व की कई धारणाओं को खत्म करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया है। यह समय जनता को कामकाज का हिसाब देने और भावी नीतियों, कार्यक्रमों से अवगत कराने का है। लोगों को बताएं कि आपके मंत्रालय ने बीते 11 साल के दौरान क्या किया है, भविष्य में आपकी क्या योजना है। इस दौरान हर हाल में विवादित सियासी टिप्पणियों से बचें।

### काम के कारण बढ़ी अपेक्षा

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 11 सालों में सभी क्षेत्रों में नीतियों, कार्यक्रमों और योजनाओं के कारण आए बदलाव से लोगों की अपेक्षाएं पहले की तुलना में बहुत बढ़ गई हैं। लोग न सिर्फ सकारात्मक बदलाव चाहते हैं, बल्कि इन बदलावों के भागीदार भी बनना चाहते हैं। ऐसे में सभी मंत्रालय जन-भागीदारी बढ़ाने के बारे में भी सोचें।

# एमपी में 15 जून को मानसून की एंट्री के आसार

### ग्वालियर समेत 12 जिलों में आज लू चलेगी, भोपाल-इंदौर में भी गर्मी रहेगी

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में मानसून की एंट्री 14 या 15 जून को हो सकती है। मौसम विभाग ने यह संकेत दिए हैं। वहीं, 12-13 जून को प्रदेश में भीषण गर्मी रहेगी। गुरुवार को ग्वालियर, चंबल-सागर संभाग के 12 जिलों में लू चलने की संभावना है। इनमें से 7 जिले-भिंड, मुरैना, श्योपुर, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर में ऑरेंज अलर्ट है।

इससे पहले, पिछले 24 घंटे के दौरान कुल 21 जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर रहा। इनमें पन्ना, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, विदिशा, रायसेन, भोपाल, सीहोर, शाजापुर, देवास, इंदौर, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर और धार शामिल हैं।

बारिश के साथ सीहोर में 74चद्व, इंदौर-हरदा में 52चद्व, भोपाल-बड़वानी में 39 और बैतूल में 34चद्व प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चली। भोपाल में रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाके में आंधी की रफ्तार 50 किमी से अधिक रही।

वहीं, बुधवार को लगातार 5वें दिन भी भीषण गर्मी का असर देखा गया। ग्वालियर समेत 6 शहर ऐसे रहे, जहां पारा 44 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। सबसे गर्म छतरपुर जिले का नौगांव रहा। यहां तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुना में 44.5 डिग्री, ग्वालियर-शाजापुर में 44.2 डिग्री और शिवपुरी-टीकमगढ़ में 44 डिग्री रहा।

बड़े शहरों में भोपाल में 42.6 डिग्री, इंदौर में 41.6 डिग्री, उज्जैन में 42.8 डिग्री और जबलपुर में तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह खजुराहो (छतरपुर) में 43.6 डिग्री, नर्मदापुरम में 43.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 43.2 डिग्री, सागर में 42.6 डिग्री, दमोह में 42.5 डिग्री, सतना में 42.4 डिग्री, धार में 42.3 डिग्री, सीधी में 42.2 डिग्री, रीवा में 42 डिग्री, रतलाम में 41.6 डिग्री।

### राजा मर्डर- डीजीपी बोलीं- मंगलसूत्र, अंगूठी से मिला सुराग, केस सुलझाने में मदद मिली

# आज आरोपियों का आमना-सामना करा सकती है पुलिस

**इंदौर/शिलांग एजेंसी।** इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में सोनम और राज समेत 5 आरोपियों को 8 दिन की रिमांड पर मेघालय पुलिस को सौंपा गया है। आज मेघालय पुलिस आरोपियों का आमना-सामना कराने के साथ सीन रीक्रिएशन भी करा सकती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बुधवार सुबह जब 11



बजे सोनम से पूछताछ की गई तो उसने खुद के साथ डकैती होने का दावा किया। लेकिन, जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड, मौका-ए-वारदात से मिला रेनकोट, खून से सनी शर्ट जैसे सबूत दिखाए तो वो चीख-चीखकर रोने लगी।11 मई को शादी के बाद 21 मई को राजा-सोनम शिलॉन्ग पहुंचे थे। 23 मई को परिवार से आखिरी बात हुई थी। 2 जून को राजा का शव मिला था। 17 दिन से गायब सोनम 9 जून को गाजीपुर में मिली थी। इसके बाद ही हत्याकांड का खुलासा हुआ।

### पुलिस घटना का करेगी रिक्रिएशन

पुलिस ने बुधवार शाम सोनम और अन्य आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगी। कोर्ट ने सोनम सहित सभी आरोपियों को 8 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। बताया जाता है कि मेघालय पुलिस पूरे क्राइम सीन को रीक्रिएट करने की तैयारी कर रही है।

### आरोपी एक-दूसरे को बता रहे मास्टरमाइंड

शिलांग के डीआइजी डेविड एनआर मार्क ने बताया कि सोनम सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश कर 10 दिन का पुलिस रिमांड मांगा, पर 8 दिन का मिला है। सभी से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती पूछताछ में सोनम सहित सभी आरोपियों ने जुर्म कबूल लिया है। अभी भी एक-दूसरे को मास्टरमाइंड बताने का ब्लैम गेम चल रहा है। जरूरत पर वारदात का री-क्रिएशन भी करेंगे।

### 'टॉर्चर से थक चुकी हूं...मैं मर जाऊंगी या तुम उसे मार दो'

तेजी से बदल रहे हत्याकांड में इंदौर में राजा और सोनम के परिवारों ने बड़े खुलासे किए हैं। बातचीत में राजा के भाई विपिन ने एक चैटिंग का जिक्र कर कहा, सोनम ने राज को राजा की हत्या करने कहा था। 11 को शादी हुई, 13 मई को चैटिंग में सोनम ने राज से कहा था कि मैं इस टॉर्चर से थक चुकी हूं। या मैं मर जाऊंगी या तुम उसे मार दो। वहीं, सोनम के भाई गोविंद ने बताया, राज और सोनम के रिश्ते पर शक हुआ तो दोनों की कॉल रिकॉर्डिंग चेक की थी।

# अहमदाबाद में एयर इंडिया का प्लेन क्रैश

### ड्रीमलाइनर प्लेन में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपानी समेत 242 यात्री सवार थे, टेकऑफ के दौरान एयरपोर्ट की दीवार से टकराया

**अहमदाबाद।** गुजरात में अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास एक यात्री विमान क्रैश होने की जानकारी सामने आ रही है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह यात्री विमान एयर इंडिया का था जो टेकऑफ के दौरान एयरपोर्ट के पास मेघानी नगर इलाके में आसमान से जमीन पर गिरा है। यह विमान गिरने के बाद अहमदाबाद में दूर-दूर से आसमान में उठना काला धुआं दिखाई दे रहा है। अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास मेघानी इलाके में एयर इंडिया का प्लेन क्रेश हुआ हैं. गुजरात के मेधानी नगर में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। माना जा रहा है कि यह विमान एयर इंडिया का था।

**लंदन जा रहा था विमान** – बताया जा रहा है कि यह यात्री विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था। इसमें कई यात्री सवार थे। आसमान में धुएं का गुबार देखते ही अहमदाबाद में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां हादसे की जगह की ओर रेस्क्यू के लिए रवाना हो गई हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एयर इंडिया के इस यात्री विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपानी समेत 242 यात्री सवार थे।

# सीएम कल करेंगे संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रुपए अंतरित

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता के 6821 प्रकरणों में 150 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। योजना के अंतर्गत प्रारंभ से अब तक 1 करोड़ 76 लाख श्रमिकों का पंजीयन किया गया है। पंजीयन प्रक्रिया निरंतर जारी है। योजना में अनुग्रह सहायता अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं। स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपये एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपये तथा अंत्येष्टि सहायता के लिए 5 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। संबल योजना में जहां एक ओर महिला श्रमिक को प्रसूति सहायता के लिये 16 हजार रुपये दिए जाते हैं, तो वहीं दूसरी ओर श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा के लिए संपूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है। शुक्रवार को जबलपुर के



बरगी में होने वाले इस कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मंत्रीगण, सांसद, विधायक एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। प्रदेश में संबल योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है।

### गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स के संबल योजना में पंजीयन जारी

भारत सरकार के नीति आयोग की पहल पर प्रदेश के गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी संबल योजना में सम्मिलित किया जाकर इनका पंजीयन प्रारंभ किया गया है। इन्हें भी संबल योजना के अंतर्गत समस्त लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। संबल हितग्राहियों को खाद्यान्न पात्रता पर्ची भी प्राप्त होती है, जिससे वे केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा रियायती दरों पर राशन प्राप्त कर रहे हैं। संबल योजना प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है, जिसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। वास्तविक अर्थों में यह श्रमिकों का संबल है, जिसे लागू करने का श्रेय प्रदेश की सरकार को है। मध्यप्रदेश की यह योजना देश के सभी राज्यों के लिए अनुकरणीय है। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के लाखों निर्माण श्रमिकों के लिए भी निर्माण मंडल के माध्यम से कई योजनाएं संचालित की जाती हैं, इनमें निर्माण श्रमिकों की मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता तथा स्थायी एवं आंशिक अपंगता पर सहायता भी सम्मिलित है।

### प्रदेश का पहला मछली उत्पादन और प्रसंस्करण क्लस्टर का सीएम करेंगे उद्घाटन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मत्स्य संपदा योजना में भोपाल के पास हलाली में बनने वाला मध्य प्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का उद्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केंद्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उद्घाटन करेंगे। देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केंद्री सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियां नहीं करते हैं।

### लाड़ली बहनों के खातों में आएगी 25वीं किस्त

लाड़ली बहना योजना को लेकर बताया जा रहा है कि 13 जून को लाडली बहना की 25वीं किस्त महिलाओं के खातों में ट्रांसफर की जाएगी। सीएम मोहन यादव जबलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान लाडली बहना की 25वीं किस्त सीधे ट्रांसफर करेंगे। बता दें कि एमपी सरकार की इस योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं को 1250 रुपये की आर्थिक मदद मिलती है। पहले कयास लगाई जा रही थी कि लाड़ली बहनों की 25वीं किस्त जारी होने में थोड़ा और वक्त लग सकता है लेकिन अब किस्त जारी होने की डेट सामने आ गई है।

### 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री होंगे शामिल

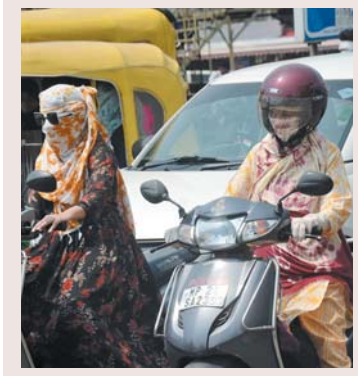

इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग लेंगे। राष्ट्रीय बैठक में मध्य प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री नारायण सिंह पवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केंद्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे।

### ऑपरेशन सिंदूर: सैटेलाइट तस्वीरों से खुली पड़ोसी की पोल

# तिरपाल से ढक कर तबाही के निशान छिपा रहा पाकिस्तान

**नई दिल्ली एजेंसी।** भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान अपने हवाईअड्डों पर हुए नुकसान को छिपाने में जुटा है। हाल की सैटेलाइट तस्वीरों में देखा जा सकता है कि पाकिस्तान ने तीन प्रमुख वायुसेना ठिकानों मुरीद, जैकबाबाद और भोलारी में क्षतिग्रस्त स्थलों को तिरपालों से ढका है। तिरपाल भी छतों के ही रंग वाले लगाए गए हैं, ताकि वह नजरों से छिपे रहें।




**सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला:** यह तस्वीरें 4 जून को मैक्सार टेक्नोलॉजीज की ओर से ली गई हैं। मुरीद बेस में कमान और नियंत्रण केंद्र को तिरपाल से छिपाया गया है। 10 मई को हमले के बाद यहां तीन मीटर चौड़ा गड्ढा देखा गया था। जैकबाबाद के शहबाज एयरबेस पर 4 जून की तस्वीरों में मलबा गायब दिख रहा है। बीती 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया था।

### पुलिस कस्टडी में सोनम ने राज का भी छोड़ा साथ, खुद को बचाने के लिए चली नई चाल

**इंदौर।** हनीमून मर्डर केस में अब एक नया मोड़ आ गया है। सोनम रघुवंशी और उसके कथित प्रेमी के बीच दरार आनी शुरू हो गई हैं। पुलिस कस्टडी में दोनों एक दूसरे पर हत्या की साजिश का आरोप लगा रहे है। मेघालय के पूर्वी रेंज के डीआईजी डेविस एन आर मारक ने कहा कि दोनों में से कौन मास्टरमाइंड है, इसका खुलासा उन दोनों को आमने-सामने कराए जाने के बाद होगा लेकिन अभी उनसे अलग-अलग पूछताछ की जा रही है। डीआईजी के मुताबिक सभी पांचो आरोपियों ने अपने जुर्म को कबूल करते हुए हत्या में शामिल होने की बात कबूल की है।

**सभी आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड-** 11 जून को सोनम और पांच आरोपियों को शिलांग में कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने सोनम समेत सभी आरोपियों को 8 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। पुलिस इनसे अलग-अलग कमरों में पूछताछ कर रही है। सभी के बयान दर्ज होंगे। इसके बाद इसे वेरीफाई किया जाएगा।

**सोनम ने ही हत्या की पूरी प्लानिंग रची – राज** – मामले में डीआईजी का कहना है कि अभी दोनों में से कौन सच बोल रहा है और कौन झूठा। इसका पता तब चलेगा, जब दोनों का आमना सामना होगा।

# श्रीअमरनाथ गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई

### उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की प्रथम पूजा, इस तारीख से शुरु होगी यात्रा

**श्रीनगर।** श्री अमरनाथ यात्रा का भोले नाथ के भक्तों के बेसब्री से इंतजार है। भक्तों के बता दें कि श्रीअमरनाथ गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई है। आज जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बाबा बर्फानी को नमन किया और पवित्र गुफा में प्रथम पूजा की। इस तरह उन्होंने वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा की औपचारिक शुरुआत की है। इस मौके पर उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा, मैं बाबा बर्फानी के सभी भक्तों से अनुरोध किया कि वे पवित्र यात्रा के लिए बड़ी संख्या में यहां आएं और महादेव से जम्मू-कश्मीर और देश की प्रगति के लिए प्रार्थना करें। उन्होंने कहा कि एसएएसबी और प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधाओं में सुधार किया है। जेकेपी, सेना, सीआरपीएफ, सीएपीएफ ने सुरक्षा के पुख्ता



इंतजाम किए हैं। बता दें कि हर साल की तरह इस साल भी जम्मू-कश्मीर प्रशासन, श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड, सेना, बीआरओ, सीएपीएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सभी हितधारक 3 जुलाई से शुरू होने वाली परेशानी मुक्त और सुरक्षित तीर्थयात्रा के लिए पूरी निष्ठा, समर्पण, सहयोग और स्पष्ट उद्देश्यों के साथ काम कर रहे हैं। यात्रा के लिए 331,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने पंजीकरण करा चुके हैं।

### सिन्हा खुद कर रहे हैं समीक्षा

जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा खुद को अमरनाथ यात्रा के तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा की समीक्षा कर रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमले ने सरकार की चिंता बढ़ा दी लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवादियों के हौसले पस्त हुए हैं। पिछले साल अमरनाथ यात्रा के लिए रिकॉर्ड 5.12 लाख तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया था। इस बार पहलगाम आतंकी हमले के बाद अमरनाथ यात्रा पर सभी की नजरें लगी हैं, हालांकि राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने अमरनाथ यात्रा में तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा के लिए व्यापक तैयारियां की हैं।

### बाबा बर्फानी पवित्र गुफा में विराजमान हैं

श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड हर साल ज्येष्ठ पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पवित्र गुफा में प्रथम पूजा का आयोजन करता है। इस वर्ष श्री अमरनाथ जी यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, जो अनंतनाग जिले के पहलगाम ट्रैक और गांदरबल जिले के बालटाल से एक साथ शुरू होगी और 9 अगस्त को रक्षा बंधन पर समाप्त होगी। बाबा बर्फानी पवित्र गुफा में विराजमान हैं। प्रथम पूजा के मौके पर पवित्र गुफा स्थल में सेना की 15 कोर के जीओसी, लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्री वास्तव, पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के सदस्य केएन राय, श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के सीईओ और उपराज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. मंदीप कुमार भंडारी, कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधुरी, कश्मीर आइजी पुलिस वीके बिरदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

## प्रारब्ध और भगवान की कृपा

मनुष्य को जो इस शरीर में सुख- दुःख प्राप्त होते हैं, वे अपने ही पूर्वजन्मों में किए हुए अच्छे - बुरे कर्मों के फल हैं। इसी का नाम प्रारब्ध है। भगवान के सिवा दूसरा ऐसा कौन है जो प्रारब्ध की गति को रोक सके या उसको मिटा सके। आपको आर्तभाव से भगवान को पुकारना चाहिए और विश्वासपूर्वक उनसे प्रार्थना करनी चाहिए। भगवान सब कुछ कर सकते हैं और वे स्वभाविक ही आपके परम सुहृद हैं। आप उनकी कृपा और सुहृदयता पर विश्वास करके उनका स्मरण कीजिए और उनको अपने कष्टों की कथा सुनाइए। यह एक ऐसा अमोघ साधन है जो अनायास ही सब प्रकार के संकटों से छुटकारा दिला सकता है। भगवान ने स्वयं कहा है - मुझमें चित्त लगा लो, फिर मेरी कृपा से तुम सारी कठिनाइयों को पार कर जाओगे।

**( गीता 18 । 58 )**

### समारोह की शुरुआत भव्य बुद्धरूप धम्म रैली से हुई

# राजगिरि बुद्ध विहार में हुआ भगवान बुद्ध की अष्टधातु मूर्ति प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित राजगिरि बुद्ध विहार में भगवान तथागत बुद्ध की 4.5 फीट ऊँची अष्टधातु ध्यानमुद्रा मूर्ति की भव्य प्रतिष्ठा समारोह श्रद्धा, शांति और करुणा के भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह अवसर केवल एक मूर्ति स्थापना नहीं, बल्कि धम्म जागरण की नई अलोकिक लहर का उदय था।

इस विशेष प्रतिमा को थाईलैंड से प्राप्त किया गया, और यह बुद्ध की करुणा, ध्यान, विवेक और निर्वाण की ओर ले जाने वाली यात्रा का सजीव प्रतीक बनी। जैसे ही यह मूर्ति मंडप में प्रतिष्ठित हुई, वातावरण श्रद्धा, ध्यान और आशीर्वचनों से गुंजायमान हो उठा। समारोह की शुरुआत भव्य बुद्धरूप धम्म रैली से हुई, जो नयापुरा बस स्टैंड से आरंभ होकर विहार परिसर तक पहुंची। हज़ारों श्रद्धालु उपासक-उपासिकाएं, भिक्षुगण, महिलाएं और युवा इस जागरण रैली में सम्मिलित हुए। रैली केवल यात्रा नहीं थी ङ्क यह धम्म की ध्वनि, शील की महिमा और अहिंसा की चेतना का जनसैलाब था।

मुख्य आशीर्वचन भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो (मुख्य भिक्षु, बुद्धभूमि महाविहार, भोपाल) ने अपने उद्बोधन में कहा यह अष्टधातु मूर्ति केवल धातु का एक पिंड नहीं है – यह हमारी चेतना में सुप्त बुद्ध के जागरण का मंत्र है। यह प्रतिमा करुणा की प्रतिध्वनि है, ध्यान की आभा है, और आत्मज्ञान की ज्वाला है। जो इसे देखेगा, वह केवल सोने में तराशा हुआ आकार नहीं, अपने भीतर की निःशब्द रोशनी को पहचान पाएगा। यह मूर्ति हमें स्मरण कराती है कि बुद्ध बाहर नहीं – भीतर है। और भीतर के उस बुद्ध को जगाना ही सच्चा धम्म है। यह स्थापना केवल पूजन के लिए नहीं, जीवन के रूपांतरण के लिए है। यह हमें शून्य से सार तक, अज्ञान से प्रज्ञा तक, और बंधन से निर्वाण तक ले जाने वाली प्रेरणा है।÷ कार्यक्रम में विशेष साधुवाद डॉ पोरँचाई और श्री मिथिला चौधरी, थाईलैंड एवं श्री विनोद वासनिक (वरिष्ठ समाजसेवी)।

धम्म वंदना, ध्यान सत्र, धम्म गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और भिक्षु संघ का मार्गदर्शन इस आयोजन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक ले गया। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन राजगिरि बुद्ध विहार महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती निर्मला डाकर और सचिव श्रीमती दुर्गा गायकवाड़ के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

धम्म युवा मंडल के कार्यकर्ताओं और सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पूरे आयोजन में तन, मन और वचन से पूर्ण सहयोग दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में माननीय श्री रविन्द्र यती अध्यक्ष बीजेपी एवं शेत्रीय पार्षद ,समाजसेवी दीपक 'गुद्दू ' मनवर तथा सेकड़ों गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर अपने विचार रखे। समारोह के अंत में बुद्ध वंदना एवं भिक्षा दान, खीर वितरण एवं सामूहिक भोज का आयोजन किया गया।

## अमृत हरित कार्यशाला कल रवीन्द्र भवन में

**भोपाल।** नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा शुक्रवार 13 जून को प्रात: 8:30 बजे राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला अमृत हरित अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों और पहलों का प्रसार करना है। कार्यशाला में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। कार्यशाला में प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रत्येक नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गयी है। कार्यशाला के दौरान कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जायेगी। कार्यशाला में स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषताएँ एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन, वृक्षारोपण और पौध-रोपण से संबंधित अधिनियमों का विश्लेषण तथा वृक्षारोपण उपरांत समुचित प्रबंधन विषय पर चर्चा की जायेगी।

# सेवा भारती माधव मंडल ने बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए दिया प्रशिक्षण

**भोपाल।** सेवा भारती माधव मंडल अंतर्गत निवेदिता भारती के आत्म संरक्षण (सेल्फ डिफेंस) प्रशिक्षण मंडल के कोलार स्थित कार्यालय पर संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री दिलीप जायसवाल राज्य मंत्री कुटीर एवं ग्रामोद्योग द्वारा निवेदिता भारती की बच्चियों द्वारा प्रशिक्षण लिए जाने पर उत्साहवर्धन कर उज्जवल भविष्य की कामना की श्रीमती मंजू लता शर्मा मंडल अध्यक्ष और आयाम प्रमुख श्रीमती कमलेश सिंह द्वारा उपस्थित जनों को सेवा कार्यों की जानकारी दी सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया गत एक सप्ताह से जारी इस प्रशिक्षण शिविर में 55 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और आत्मविश्वास से भरपूर दिखीं इस अवसर पर प्रांतीय कोषाध्यक्ष राज नारायण अग्निहोत्री, हरभजन शिवहरे माधव मंडल पूर्ण कालिक रत्नेश जी ओर कार्यक्रम का संचालन प्रवीण सक्सेना मंडल सचिव एवं आभार मंडल प्रभारी डॉक्टर राम रघुवंशी जी द्वारा किया।

# प्रत्येक ग्राम पंचायत में 24-24 लाख की लागत से बन रहे मंगल भवन, विधायक ने किया भूमिपूजन

### सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए होंगे उपयोगी केंद्र

**भोपाल।** हुजूर विधानसभा क्षेत्र में विकास के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाते हुए स्थानीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा ने ग्राम 24- 24 लाख से प्रेमपुरा, बालमपुर, बरखेड़ी, डोब और मुगालिया कोट में मंगल भवनों के निर्माण हेतु भूमि पूजन किया। इन भवनों के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए एक भव्य एवं सुसज्जित मंच प्राप्त होगा। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने कहा कि हुजूर विधानसभा के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में विकास की एकरूपता ही मेरा संकल्प है। ग्रामीण अंचलों में सड़कों का निर्माण हो या मूलभूत सुविधाओं का विस्तार, यह मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

ग्राम पंचायत बालमपुर सहित सभी पंचायतों में मंगल भवनों का निर्माण 24 लाख की लागत से किया जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि जब ये मंगल भवन बनकर तैयार होंगे, तब ये ग्रामीण समाज के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों, विवाह समारोहों, जनसभाओं और अन्य आयोजनों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनेंगे। इसके साथ ही, ग्राम प्रेमपुरा में जनसंवाद का आयोजन कर उन्होंने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जनसंवाद में उपस्थित लोगों ने विधायक श्री शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। ग्राम अमोनी में नागरिकों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत से अभिभूत होकर श्री शर्मा ने सभी ग्रामवासियों का सादर आभार प्रकट किया।

### ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा यात्रा भी निकाली

इस दौरान उन्होंने मुगालिया कोट में मंगल भवन के निर्माण कार्य का भूमिपूजन करने के साथ यहाँ आयोजित तिरंगा यात्रा में भाग लेते हुए ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता पर भारत के वीर जवानों के शौर्य को नमन किया। कार्यक्रम में भारत माता की जयघोष से वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो उठा।

## स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट एमपीसीजेड मोबाइल एप हुआ लांच

**भोपाल।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा अपने सभी स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए Smart MPC मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है। यह ऐप कंपनी के पोर्टल पर उपलब्ध क्यूआर कोड और गूगल प्ले स्टोर से दिए गए लिंक https:// play. google. com/ store/ apps/details?id=com.mpcz.consumerapp ओपन करके भी डाउनलोड किया जा सकता है। मंत्री श्री तोमर ने ऐप की विशेषताएं बताते हुए कहा है कि इससे बिजली खपत प्रोफाइल और अकाउंट की जानकारी देखने की सुविधा रहेगी। साथ ही उपभोग पैटर्न की जानकारी भी मिलती रहेगी। ?कंज्यूमर आईडी को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से जोड़कर ऐप का उपयोग किया जा सकेगा। ऐप से एक ओर जहां बिजली कटौती की सूचनाएँ प्राप्त होती रहेंगी, वहीं उपभोक्ता को अपने मीटर की स्थिति की जाँच करने में भी आसानी होगी। उपभोक्ता द्वारा कितनी बिजली उपयोग की गई है, इसकी रिपोर्ट देखने के साथ ही स्मार्ट मीटर ऐप के जरिए उपभोक्ता सेवा केन्द्र 1912 से संपर्क करने की सुविधा भी मिलेगी।एप को डाउनलोड करने के लिए सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा इसके बाद सर्च बार में Smart MPCZ टाइप करना होगा। फिर एप को डाउनलोड और इंस्टॉल करना होगा। जब यह पूरी तरह से इंस?टाल हो जाए तो ऐप को खोलें और अपनी कंज्यूमर आईडी तथा रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर दर्ज करें। जैसे ही आप यह प्रक्रिया पूरी करते हैं तो एक OTP आपके मोबाइल पर आएगा इसे दर्ज करके ऐप को लॉगिन किया जा सकेगा।

## मध्यप्रदेश में भरोसेमंद बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए तात्कालिक ढांचागत सुधार जरूरी

**भोपाल ।** मध्यप्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। एनटीपीसी लिमिटेड ने राज्य में सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं सहित 20 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी क्षमता विकसित करने के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अतिरिक्त, राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा नीति 2025 का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक राज्य की 50प्रतिशत बिजली आवश्यकताएं नवीकरणीय स्रोतों से पूरी की जाएं, जिसके लिए 2027 तक 50,000 करोड़ का निवेश आकर्षित करने की योजना है। हालांकि, उत्पादन के मोर्चे पर हुई ये प्रगति आम उपभोक्ताओं के लिए भरोसेमंद बिजली आपूर्ति में तब्दील नहीं हो पाई है। साल भर, विशेषकर गर्मियों के मौसम में, निर्धारित रखरखाव कार्य या उपकरणों की खराबी के कारण बार-बार बिजली कटौती आम बात है। पिछले महीने भोपाल के लगभग 25 इलाकों में 1 से 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिसका कारण क्षेत्र में चल रहे रखरखाव कार्य बताया गया।

बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और भरोसेमंद वितरण को कमजोर करने वाला एक प्रमुख कारण डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर्स (डीटी) की बार-बार खराबी है। वित्त वर्ष 2021-22 में मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख वितरण कंपनियों - मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 8.5त्न, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 12.4त्न और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 16.5त्न डीटी फेल्योर दर्ज किए गए। चिंता की बात यह है कि इन विफलताओं में से एक चौथाई से अधिक ट्रांसफॉर्मर मानक तीन वर्षीय वारंटी अवधि के भीतर ही खराब हो जाते हैं, जो निर्माण, इंस्टॉलेशन या ऑपरेशन से जुड़ी खामियों की ओर इशारा करता है।

इस मुद्दे पर अपने विचार साझा करते हुए, आईआईटी रुड़की के पूर्व डीन और प्रोफेसर तथा एमपीपीकेवीवीसीएल, जबलपुर के पूर्व गैर-कार्यकारी निदेशक (स्वतंत्र), प्रोफेसर हरिओम गुप्ता ने कहा, ÷बार-बार ट्रांसफॉर्मर की विफलता न केवल बिजली आपूर्ति को बाधित करती है, बल्कि डिस्कॉम और उपभोक्ताओं दोनों पर भारी वित्तीय बोझ डालती है। मरम्मत की लागत अंततः उपभोक्ताओं पर टैरिफ वृद्धि के माध्यम से डाल दी जाती है, जो सस्ती और विश्वसनीय बिजली की दृष्टि को कमजोर करती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बिजली वितरण के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और उच्च गुणवत्ता वाले उपकरणों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। ट्रांसफॉर्मर निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री का चयन केवल तकनीकी निर्णय नहीं बल्कि दीर्घकालिक विश्वसनीयता में निवेश है। कॉपर (तांबा) आधारित ट्रांसफॉर्मर बेहतर प्रवाहकीयता, अनियमित लोड में बेहतर प्रदर्शन और लंबी परिचालन उम्र प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग डीटी जैसे उपकरणों की समयपूर्व खराबी को रोक सकता है जिससे उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला आर्थिक भार भी कम होता है।

## गुटखा खाने वालों का मुंह नहीं खुलने की बीमारी बढ़ी, 10 प्रतिशत में यह कैंसर एम्स भोपाल का शोध सिंगापुर में पेश

**भोपाल।** एम्स भोपाल में तंबाकू-सुपारी लोगो पर शोध किया गया है। एम्स के दंत रोग विभाग के डॉ. अंशुल राय और उनकी टीम ने ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस पर की गई रिसर्च को हाल ही में सिंगापुर में पेश किया। यह अध्ययन 80 देशों के दो हजार से अधिक विशेषज्ञों के बीच प्रस्तुत किया गया। रिसर्च में करीब 100 मरीजों को शामिल किया गया, जिनमें से अधिकांश पिछले 10 सालों से तंबाकू और सुपारी का सेवन कर रहे थे। इन रोगियों में ओएसएफ की स्थिति देखी गई, जिसमें व्यक्ति के मुंह का खुलना सीमित हो जाता है। ऐसे लोगों के मुंह में तीन उंगलियां एक साथ नहीं जाती हैं। चिंता की बात यह रही कि इन मरीजों में से 8 से 10 को आगे चलकर मुंह का कैंसर हो गया। एम्स के डॉ. अंशुल राय ने बताया कि पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग अलग सर्जिकल प्रोटोकॉल विकसित किए गए है। जिससे इलाज ज्यादा सटीक और असरदार हो सके। मरीजों को पहले ही बताया जाता है कि ओएसएफ एक घातक स्थिति है। इसका इलाज लंबा चलता है। ऐसे में जरूरी है कि सभी रोगी हर फॉलो-अप में आवश्यक आएं। उन्होने बताया कि मुंह ना खुलने की समस्या के चार ग्रेड हैं। जितना कम मुंह खुलता है उतना ही ग्रेड बढ़ जाता है। ग्रेड एक और दो के मरीज एक्सरसाइज और हल्दी व शहद का लेप लगा इस समस्या को रोक सकते हैं। वहीं ग्रेड 3 और ग्रेड चार के मरीजों में सर्जरी ही विकल्प होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, एकदम से लत नहीं छोड़ी जा सकती है। ऐसा करने से मरीज के सिर में दर्द, ज्यादा नींद समेत अन्य लक्षण देखने के मिलते हैं। ऐसे में पहले दिन यदि कोई 10 बार तम्बाकू, गुटखा और सुपारी का सेवन करता है तो उसे 8 बार कर दे। अन्य दो बार वे अजवाइन के साथ काला नमक और काली मिर्च का पाउडर का सेवन करें। यह व्यक्ति की तलब को तत्काल खत्म करने में सक्षम है।

### कलेक्टर ने किया शहर के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण

# विकास कार्यों की प्रगति, संजीवनी क्लीनिक, पॉलीहाउस एवं तहसील भवन निर्माण का लिया जायजा

**भोपाल।** कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बुधवार को भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण कर विकास कार्यों की प्रगति, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति और नगर प्रबंधन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सबसे पहले तुलसी नगर में स्मार्ट सिटी द्वारा निर्मित की जा रही बहुउद्देश्यीय भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने भवन की डिजाइन में संशोधन कर तीसरे तल के साथ चौथे तल के निर्माण के निर्देश दिए ताकि एक ही परिसर में शासन के विभिन्न विभागों के कार्यालयों को समाहित किया जा सके। साथ ही परिसर में पार्किंग की क्षमता बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए। इसके उपरांत उन्होंने सेवानियां गौड़ / सूरज नगर स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल सिविल डिस्पेंसरी एवं मुख्यमंत्री संजीवनी पॉली क्लीनिक का निरीक्षण किया। यहां डॉ. अनसूया बामनिया ने बताया कि क्लीनिक में प्रतिदिन औसतन 50 मरीजों की ओपीडी होती है और 12 से अधिक प्रकार की जांचें उपलब्ध हैं। निरीक्षण के दौरान स्टाफ की कमी पाए जाने पर कलेक्टर ने सीएमएचओ को शासन को प्रस्ताव भेजकर डॉक्टरों एवं स्टाफ नर्सों की तत्काल नियुक्ति की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायत बरखेड़ी बाजयफ्ता में संरक्षित खेती योजना अंतर्गत श्री सौदान सिंह कुशवाह द्वारा संचालित पॉली हाउस का भी निरीक्षण किया। श्री कुशवाह ने बताया कि उन्होंने दो एकड़ भूमि में जरवेरा एवं जिप्सोफिला फूलों की खेती के लिए 40 लाख रुपये का ऋण लेकर पॉलीहाउस की स्थापना की है, जिसमें 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ। इस खेती से उन्हें प्रतिवर्ष 10 से 12 लाख रुपये की आमदनी हो रही है। भ्रमण के दौरान लालघाटी चौराहे पर भीख मांग रही महिलाओं को देखकर कलेक्टर श्री सिंह ने तत्काल संबंधित भिक्षु दलों को रिहैबिलिटेशन सेंटर में भेजने के निर्देश दिए।उन्होंने चेतावनी दी कि जो व्यक्ति रिहैबिलिटेशन सेंटर नहीं जाना चाहते, उनके विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त श्री सिंह ने लालघाटी क्षेत्र में तहसील हुजूर के लिए निर्माणाधीन तीन मंजिला भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग भवन शाखा श्रीमती शिरीन खान एवं एसडीओ श्री सुनील निगम को निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही भवन परिसर में 50 कारों और 200 टूव्हीलर्स की पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

# हाईकोर्ट ने नाबालिग रेप पीड़िता को दी अबॉर्शन की अनुमति, 28 सप्ताह से ज्यादा का है गर्भ



**जबलपुर।** मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित हाईकोर्ट ने नाबालिग रेप पीड़िता के केस में सुनवाई करते हुए उसे गर्भपात कराने की अनुमति दे दी है। हाईकोर्ट के अनुसार, क्योंकि नाबालिक का गर्भ 28 हफ्तों से ज्यादा का है। लिहाजा डॉक्टरों की विशेष निगरानी में गर्भपात कराया जाए। दरअसल, दमोह में रहने वाली एक नाबालिग और उसके परिवार ने दमोह जिला एवं सत्र न्यायालय में गर्भपात की अनुमति के लिए याचिका लगाई थी, जिसकी सुनवाई के दौरान जिला एवं सत्र न्यायालय ने हाईकोर्ट को एक पत्र भेजकर अनुमति मांगी थी। इस पत्र के आधार पर हाईकोर्ट ने पीड़ि को गर्भपात की अनुमति दे दी है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, नाबालिग का गर्भपात महिला विशेषज्ञ की विशेष निगरानी में होना चाहिए। साथ ही, ये भी कहा- अगर बच्चा जिंदा पैदा हो तो उसके पालन-पोषण और देखरेख की जिम्मेदारी शासन के जिम्मे होगी। अगर बच्चा मृत हो तो फिर डीएनए जांच के लिए उसका भ्रूण सुरक्षित रखने के भी निर्देश दिए गए हैं।

### नाबालिग की मां ने दी अनुमति

बता दे कि, नाबालिग रेप पीड़िता का गर्भ 28 सप्ताह से ज्यादा का हो चुका है। ऐसे में उसके मेडिकल रिपोर्ट में जोखिम की बात कही गई है। जिसपर पीड़िता की मां ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी हम हर जोखिम उठाने को तैयार हैं। जिसे हाईकोर्ट में गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द डॉक्टर की निगरानी में गर्भपात की अनुमति दे दी। अब अनुमति मिलने पर पीड़िता को दमोह से जबलपुर मेडिकल कॉलेज लाया जाएगा। जहां महिला डॉक्टरों और रेडियोलॉजिस्ट की विशेष निगरानी में पीड़िता का गर्भपात कराया जाएगा।

## यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 17 वाहन चालकों पर की गई चालानी कार्रवाही

दमोह। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत पुलिस यातायात विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही कर रहा हैं। इस सबंध में यातायात टीआई दलबीर सिंह मार्को ने बताया बटियागढ़ मार्ग एवं हटा नाका पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 17 वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया 06 ओवर स्पीड, 01 सील्ट बेल्ट, 10 हेलमेट ना पहनने वाले वाहन चालकों पर 9500 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई हैं। उन्होंने आमजनों से यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह किया। साथ ही कहा यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

# कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास की सौगात 8 नये वर्किंग वूमेन हॉस्टल को मिली मंजूरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की कामकाजी महिलाओं के लिये वर्किंग वुमेन हॉस्टल की सौगात दी है। भारत सरकार की स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंट ऑफ स्टेटस फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट 2024-25 के अंतर्गत 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि योजना अंतर्गत महिला श्रम बल भागीदारी दर (फीमेल लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट) को बढ़ाने और महिलाओं के जीवन को आसान बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में 8 वर्किंग वूमेन हॉस्टल की स्वीकृति प्रदान की गई है जिसमें से महिला बाल विकास विभाग द्वारा 4 वर्किंग वूमेन हॉस्टल और शेष 4 हॉस्टल औद्योगिक नीति निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा बनाये जायेंगे।

### 289 करोड़ की स्वीकृति हुई जारी

मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि महिला बाल विकास विभाग द्वारा देवास, नर्मदापुरम और सिंगरौली में 100 सीटर तथा झाबुआ में 50 सीटर हॉस्टल बनाये जायेंगे। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग द्वारा उज्जैन में 1554 सीटर, धार में 1776, रायसेन 776 और भिण्ड में 666 सीटर हॉस्टल का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि वर्किंग वूमेन हॉस्टल के निर्माण के लिये 289.72 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से 40.59 करोड़ की राशि महिला बाल विकास विभाग व्यय करेगी। वर्किंग वूमेन हॉस्टल का स्वामित्व राज्य सरकार के पास रहेगा और रख-रखाव का काम पीपीपी मोड पर किया जायेगा।

### हॉस्टल में होंगी आधुनिक सुविधाएं

वर्किंग वूमेन हॉस्टल में आधुनिक सुविधाओं सहित डे केयर सेंटर, जिम, इंडोर स्पोर्टस, लायब्रेरी, वाय-फाई, पर्याप्त पार्किंग, फूड कोर्ट और मनोरंजन गतिविधियां आदि उपलब्ध होंगी। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराये जा रहे हैं, जिससे कामकाजी महिलाओं का जीवन आसान होगा। विशेष रूप से जनजातीय एवं औद्योगिक क्षेत्रों में महिला श्रमिकों की आवास जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह योजना क्रांतिकारी सिद्ध होगी।

## निराश्रित गौवंश के आश्रय का होगा स्थाई समाधान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा निराश्रित गौवंश की आश्रय समस्या के निराकरण के लिए स्थाई समाधान निकाला गया है। अब प्रदेश में कामधेनु निवास (स्वावलंबी गौशाला) स्थापित होगी, जहां बड़ी संख्या में गौवंश की देखभाल की जाएगी। इसके लिए सरकार द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में स्वावलंबी गौशालाएं (कामधेनु निवास) स्थापना की नीति 2025 को स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है।

इस नीति के तहत प्रदेश में स्वावलंबी गौशालाएं स्थापित की जाएगी, जिनमें न्यूनतम 5000 गौवंश का पालन अनिवार्य होगा। इनमें से 30 प्रतिशत गौवंश उन्नत दुधारू नस्ल का हो सकता है। सरकार द्वारा अधिकतम 125 एकड़ शासकीय भूमि के उपयोग के अधिकार गौशाला संचालकों को दिए जाएंगे। इन गौशालाओं में 5000 से अधिक गौवंश होने पर प्रति 1000 गौवंश पर 25 एकड़ अतिरिक्त शासकीय भूमि दी जा सकेगी। पशुपालन एवं डेयरी विभाग लैंड बैंक तैयार करेगा। भूमि पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वामित्व में रहेगी तथा विभाग की तरफ से मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड और गोपालक संस्था के मध्य उपयोग अनुबंध निष्पादित किया जाएगा। भूमि जैसी है वैसी के आधार पर उपलब्ध कराई जाएगी। भूमि पर विकास कार्य गोपालक संस्था को करवाना होगा।

कामधेनु निवास की स्थापना के लिए कोई भी पंजीकृत संस्था जैसे कि फर्म, ट्रस्ट, समिति, कंपनी अथवा उनके संघ इस योजना का लाभ ले सकेंगे। संघ अधिकतम पांच संस्थाओं के लिए मान्य होगा, इससे अधिक संख्या वाले संघ को मान्यता नहीं होगी। इन गौशालाओं में गोपालन के साथ ही पंचगव्य निर्माण, बायोगैस, जैविक खाद, नस्ल सुधार, दुग्ध प्रसंस्करण, सौर ऊर्जा, बायोगैस आदि व्यावसायिक गतिविधियां की जा सकेंगी।

## मप्र का पहला रिजर्वायर फिशरीज प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर हलाली में

### मुख्यमंत्री डॉ. यादव इंदौर में 13 जून को होगा उदघाटन

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पीएम मत्स्य संपदा योजना में भोपाल के पास हलाली में बनने वाला मध्यप्रदेश का पहला रिजर्वायर फिशरीज़ प्रोडक्शन एंड प्रोसेसिंग क्लस्टर का उद्घाटन 13 जून को इंदौर से होगा। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह राष्ट्रीय इनलैंड फिशरीज़ एवं एक्वाकल्चर बैठक में इसका उद्घाटन करेंगे। देश में पीएम मत्स्य संपदा योजना में इस तरह के 17 क्लस्टरों की पहचान केन्द्र सरकार ने की है जो उन क्षेत्रों की मत्स्य पालन की विशेषताओं के आधार पर विकसित किये जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इनलैंड स्टेट में फिशरीज़ से जुड़ी इस तरह की बैठक देश में पहली बार इंदौर में हो रही है। बैठक का उद्देश्य उन इनलैंड राज्यों में मत्स्य उत्पादन बढ़ाना है, जिनकी सीमाएं समुद्र से नहीं जुड़ती हैं। इस बैठक में सिर्फ उन राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जो समुद्र से मत्स्य उत्पादन गतिविधियाँ नहीं करते हैं। इंदौर में होने वाली इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट में देश के 20 राज्यों के मत्स्य पालन मंत्री भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय बैठक में मध्यप्रदेश के मछुआ पालन मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, उत्तर प्रदेश के मछुआ पालन मंत्री श्री संजय कुमार निषाद, बिहार की मछुआ पालन और पशुपालन मंत्री सुश्री रेणु देवी, हरियाणा के पशुपालन, डेरी और मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, राजस्थान के पशुपालन और मछुआ पालन राज्य मंत्री श्री जवाहर सिंह बेधम के अलावा अन्य राज्यों के मंत्री भी भाग ले रहे हैं। बैठक में विशेष रूप से केन्द्र सरकार के मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलाक्ष लिखी और संयुक्त सचिव श्री सागर मेहरा भी उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशानुसार देश में मत्स्य उत्पादन में निर्यात को बढ़ावा देने के लिये इंदौर की इस राष्ट्रीय बैठक में भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रहे प्रयोगों पर तकनीकी-सत्र भी आयोजित होंगे। इनमें राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं ICAR-CIFRI, (CAR-CIFA, NFDB की तरफ से मत्स्य उत्पादन की दिशा में विश्व में अपनाई जा रही नई तकनीकों पर प्रेजेन्टेशन दिये जायेंगे। तकनीकी-सत्रों में जलाशय पट्टा नीति, नदी और तालाबों में आधुनिक तरीके से मत्स्य पालन और ठंडे पानी में मछली पालन की संभावनाओं जैसे विषय भी शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह द्वारा लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किये जायेंगे, जिनमें मत्स्य सहकारी समितियों, मछुआरा उत्पादक संगठन, मत्स्य पालन स्टार्ट-अप्स एवं परंपरागत मछुआरे भी शामिल हैं। मछुआरों को किसान क्रेडिट कार्ड और जलीय कृषि बीमा भी उपलब्ध कराया जायेगा। इसका उद्देश्य मछुआरों को बीमा और डिजिटल एक्सेस देना है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में मछुआरों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये जल क्षेत्र के कुशल प्रबंधन पर लगातार कार्य किया जा रहा है। इसके चलते इनलैंड फिशरीज़ एण्ड एक्वाकल्चर मीट के अवसर पर इंदौर के ब्रिलियेंट कन्वेंशन सेंटर में एक प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जिसमें प्रदेश का खूबसूरत एक्वा पार्क एवं मछली पालन की नई तकनीकी-केज कल्चर और आरएएस को प्रदर्शित करते स्टॉल लगाये जायेंगे। प्रदेश सरकार के प्रयासों से राज्य में मछुआरों की आय में वृद्धि हो रही है। साथ ही विज़न 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये मध्यप्रदेश में मछुआ पालन से जुड़ी सभी गतिविधियों पर गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। विशेष तौर पर इनपुट सप्लाई के क्षेत्र में, पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट, प्रोसेसिंग एवं उत्पादों के निर्यात के लिये भी प्रयास जारी हैं।

प्रदेश का सिवनी ज़िला बेस्ट इनलैंड डिस्ट्रिक्ट का पुरस्कार पहले भी प्राप्त कर चुका है। साथ ही बालाघाट ज़िले की प्राथमिक मछुआ सहकारी समिति को मछुआरों के सशक्तिकरण की दिशा में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है।

# किरार धाकड़ क्षत्रिय समाज न्यास भवन लोकार्पण समारोह 15 जून को

**भोपाल।** किरार धाकड़ क्षत्रिय समाज न्यास द्वारा निर्मित भोपाल किरार धाक समाज न्यास द्वारा निर्मित भवन का लोकार्पण समारोह 15 जून 2025 रविवार को सायं 5 बजे, समाज भवन परिसर, जवाहर चौक 12 दफ्तर शेड में आयोजित किया जा रहा है। समारोह के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री भार सरकार शिवराज सिंह चौहान, अध्यक्षता साधना सिंह चौहान राष्ट्रीय अध्यक्ष किरार महासभा विशिष्ट अतिथि मंत्री नरेंद्र पटेल, सांसद द्वय आलोक शर्मा और दर्शन चौधरी तथा विधायक भगवान दास सबनानी सहित पूर्व विधायक गण ामकिशन चौहान,रामकिशन कोटवार, भैयालाल पटेल सहित महासभा के पूर्व अध्यक्ष गण श्री लालसिंह पटेल जी, श्री डा गुला सिंह जी किरार और शिवाजी पटेल सम्मिलित होंगे। ट्रस्ट पदाधिकारियों द्वारा भवन निर्माण की विशेष संरचना, उद्देश्यों एवं योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। यह भवन समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक औ शैक्षणिक गतिविधियों के केंद्र के साथ साथ मध्यमवर्गीय




सामाजिक लोगो के लिए शह के मध्य होना वरदान बनेगा।

ट्रस्ट अध्यक्ष शंकर सिंह चौहान ने बताया कि यह भवन हमारे समाज के एकता, श्रम, सहयोग और संगठन की भावना का साकार स्वरूप है। यह केवल एक निर्माण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा और क्रियाशीलता का केन्द्र बनेगा। डॉ सुरजीत सिंह चौहान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महासभा ने कहा की रेत ईट गिट्टी का नहीं बल्कि खून पसीने से बना एकता का प्रतीक है भवन नहीं किरार समाज की आत्मा का घर है। जिस समाज ने अपने परिश्रम से खेतों को सींचा अपने लहू से भूमि की रक्षा की आज वही समाज शक्ति और संस्कृति का संगम बनकर अपने स्वाभिमान की छत तले एकत्र होने जा रहा है। राधेश्याम धाकड़ ने एकता के प्रतीक इस भवन को सही मायने में वर्षों की तपस्या से प्रसन्न ईश्वर के साक्षात दर्शन बताया। समारोह में विभिन्न समितियों और उपसमितियों द्वारा आयोजन व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिनमें स्वागत, भोजन, संरक्षक मंडल, मार्गदर्शन मंडल, वित्त समिति, मंच, भोजन, अनुशासन, महिला, युवा, सांस्कृतिक, प्रेस, मीडिया बैठक आदि शामिल हैं।

# लक्ष्य को समय सीमा से पहले पूरा करने का भाव जरूरी: राज्यपाल

### राजभवन में सिकल सेल समीक्षा बैठक हुई




**भोपाल।** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक सिकल सेल उन्मूलन के लिए संवेदनशीलता, सहानुभूति के साथ रोग उन्मूलन की प्रतिबद्धता जरूरी है। कार्य का भाव लक्ष्य को समय सीमा से पूर्व पूरा करने का होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल मिशन के कार्य मानवता की सेवा के माध्यम है। ईश्वरीय कृपा के भागी होने का यह बड़ा अवसर है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन में सिकल सेल मिशन के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा श्री राजेन्द्र शुक्ल, आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार भी उपस्थित थे। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग के द्वारा सिकल सेल उपचार, प्रबंधन और नियंत्रण प्रयासों की जानकारी प्राप्त की। उनको बताया गया कि मिशन के अंतर्गत 19 जून से 3 जुलाई तक समस्त ग्राम पंचायतों, एकलव्य आवासीय स्कूलों एवं छात्रावासों में मेगा शिविर आयोजित होंगे। अधिक से अधिक स्क्रीनिंग जांच की जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला चिकित्सालयों में पीओसी किट के द्वारा स्क्रीनिंग की जाएगी। प्रतिदिन स्क्रीनिंग जांच का डेटा पोर्टल में दर्ज होगा। जेनेटिक काउंसलिंग की जाएगी। जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड प्रदान किए जाएंगे। ब्लॉक स्तर एवं जिला स्तर पर चिह्नित सिकल सेल रोगियों के लिए शिविर लगेंगे। उन्हें विशेषज्ञों की परामर्श सेवायें उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल रोगियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यू.डी.आई.डी. कार्ड प्रदान कर पेंशन की सुविधा प्रदान की जाएगी। आयुष विभाग द्वारा बताया गया कि विश्व सिकल सेल दिवस के तारतम्य में जनजातीय बहुल 20 जिलों में संचालित 78 आयुष औषधालयों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। सिकल सेल उपचार में सहायक आयुर्वेद दवाओं की किट का वितरण होगा। रोग उपचार में सहायक स्थानीय वनस्पति के संरक्षण, संवर्धन के प्रति जन जागरूकता के कार्य होंगे। सिकल सेल एनीमिया प्रभावित प्रत्येक ग्राम में जनजागृति के लिए प्रभात फेरी, योगाभ्यास, ग्राम-सभा आदि के आयोजन किए जाएंगे। बैठक में जनजातीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री दीपक खांडेकर, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव, सचिव जनजातीय प्रकोष्ठ श्रीमती जमुना भिड़े, संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन सुश्री सलोनी सिडाना, आयुक्त आयुष श्री संजय मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# ऊर्जा मंत्री ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की

**भोपाल।** ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली संबंधी शिकायतों के निपटारे पर हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि प्रबंध संचालक से लेकर कार्यपालन स्तर तक के सभी अधिकारी रात्रि के समय क्षेत्रों का भ्रमण कर बिजली की वास्तविक स्थिति का आंकलन करें। साथ ही निरीक्षण रिपोर्ट मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें। श्री तोमर ने बुधवार को विद्युत आपूर्ति में आ रहे अवरोध एवं कॉल-सेंटर के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों के निराकरण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिये।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिये टीम की संख्या बढ़ायें। उन्होंने कहा कि विद्युत अवरोध एवं उसके निराकरण से संबंधित जानकारी जन-प्रतिनिधियों, स्थानीय मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित करें। मैदानी स्तर के अधिकारियों द्वारा उपभोक्ताओं के फोन अटेंड करना सुनिश्चित हो। विद्युत कनेक्शन में भार वृद्धि के संबंध में जागरूक किया जाये।

### ऊर्जा मंत्री के कार्यालय में बना कॉल-सेंटर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि वर्षाकाल में बिजली की शिकायतों के मद्देनजर मेरे कार्यालय में भी आगामी 3 माह के लिये एक अस्थाई कॉल-सेंटर स्थापित किया गया है। कॉल-सेंटर का नम्बर 0755-4344299 है। उन्होंने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि इस नम्बर पर सम्पर्क करने के पूर्व बिजली कम्पनी के मुख्य कॉल-सेंटर 1912 पर शिकायत जरूर दर्ज करायें और उसका क्रमांक साझा करें। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक में प्रबंध संचालक एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी श्री अवनीश लवानिया, सभी विद्युत कम्पनियों के एमडी, क्षेत्रीय मुख्य अभियंता और मुख्य महाप्रबंधक शामिल हुए।

# भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करने की आवश्यकता: आयुष मंत्री परमार

### पं. उद्धव दास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान समारोह संपन्न



**भोपाल।** आयुर्वेद, भारत की पुरातन चिकित्सा पद्धति है, हमारे पूर्वजों ने विश्व में भारतीय ज्ञान परम्परा को आयुर्वेद के माध्यम से स्थापित किया। वर्तमान परिदृश्य में समाज में हर क्षेत्र-हर विधा में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं और हर क्षेत्र में भारतीय ज्ञान के प्रमाण मिल रहे हैं। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान के रजत जयंती सभागार में, आयुष विभाग द्वारा स्थापित पं.उद्धव दास मेहता वैद्य शास्त्री आयुर्वेद सेवा सम्मान समारोह में कही।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि आयुर्वेद में नवाचार एवं तकनीक आधारित शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता है, इससे आने वाले समय में आयुर्वेद भी जनमानस में आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समकक्ष मान्यता स्थापित कर सकेगा। श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक हर क्षेत्र के लिए लक्ष्य निर्धारित कर क्रियान्वयन हो रहा है। भारत, आयुर्वेद के माध्यम से पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आधार पर देश पुनः विश्वमंच पर सर्वश्रेष्ठ बने, इसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा पर गर्व एवं विश्वास का भाव जागृत करना होगा। मंत्री श्री परमार ने उक्त पुरस्कार की राशि आगामी सत्र से एक लाख रुपए से बढ़ाकर एक लाख 51 हजार रुपए करने की बात कही, इससे लोग नवाचार के लिए अधिक से अधिक समर्पण भाव से कार्य के लिए स्वप्रेरित होंगे। श्री परमार ने पुरस्कार प्राप्त करने वाली विभूतियों को बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। भोपाल (दक्षिण-पश्चिम) विधानसभा के विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने आयुर्वेद की बढ़ती लोकप्रियता के आधार पर, युवा चिकित्सकों को कड़े परिश्रम के आधार पर पुरस्कार प्राप्त करने की अपेक्षा व्यक्त की। भोपाल नगर निगम की महापौर श्रीमती मालती राय ने भोपाल में नवविकसित हर्बल गार्डन को पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद संस्थान को हस्तांतरित करने से अवगत कराया, इससे विद्यार्थियों के अध्ययन - अध्यापन में और अधिक सहयोग मिलेगा।

समारोह में वर्ष 2022 के लिए डॉ उमाशंकर निगम एवं वर्ष 2023 के लिए संयुक्त रूप से डॉ संजय लाले और शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय जबलपुर को पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने अपने कार्यों के बारे में संक्षिप्त उद्बोधन दिया। ज्ञातव्य है कि उक्त पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र के साथ एक लाख रुपए की राशि दी जाती है एवं दो समान अंकधारी होने की अवस्था में प्रत्येक को 50 हजार रुपए की राशि दी जाती है।

इस अवसर पर आयुक्त आयुष श्री संजय मिश्र, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. गोपाल दास मेहता एवं संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

## एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आधारित होगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

**भोपाल ।** प्रदेश में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन जिला, विकासखण्ड एवं पंचायत स्तर पर 21 जून 2025 को सामूहिक योग कार्याक्रम का वृहद आयोजन किया जायेगा। इन कार्यक्रमों में सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों (स्कूल शिक्षा/उच्च शिक्षा/चिकित्सा शिक्षा/तकनीकी शिक्षा/आयुष/नर्सिंग/पशु चिकित्सा/कृषि शिक्षा) पॉलिटेक्निक, आई.टी.आई एवं समस्त शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के छात्रों के अलावा अन्य समस्त शैक्षणिक सस्थानों के विद्यार्थी शामिल होंगे। साथ ही योग संस्थानों, एन.सी.सी., एन.एस. एस., पुलिसकर्मियों, विभिन्न प्रशिक्षण संस्थान, शासकीय सेवकों, स्वयंसेवी संगठन, वाणिज्यिक एवं औद्योगिक संगठन सहित आम नागरिकों की सामूहिक योग कार्यक्रम में भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी।

प्रदेश के समस्त शासकीय/निजी संस्थाओं द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस में शामिल होने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई लिंक https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर आयोजक के रूप में पंजीयन कराना होगा। इससे केन्द्र सरकार के स्तर पर प्रदेश में आयोजन की संख्या निर्धारित हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि सयुंक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। वर्ष 2015 से संपूर्ण विश्व में योग के प्रति उत्साही भागीदारी देखी गई है। केन्द्र सरकार द्वारा इस वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की निर्धारित थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग रखी गई है। प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी योग दिवस का आयोजन किया जायेगा। प्रमुख पर्यटन स्थल अनूपपुर- अमरकंटक मंदिर समूह, जिला रायसेन- भीमबैठका गुफा परिसर पार्किंग क्षेत्र के सामने, जिला भोपाल- कमलापति पैलेस, जिला उमरिया- बांधवगढ़, जिला ग्वालियर- किला, मान मंदिर के पास, जिला छतरपुर- खजुराहो, पश्चिमी मंदिर समूह, जिला निवाड़ी- ओरछा, जिला रायसेन- सांची, स्तूप नंबर 1 के पास लाइट एड साउंड शो क्षेत्र, जिला धार- माण्डू, जहाज महल के सामने तथा जिला खरगोन- महेश्वर में आयोजन किया जायेगा। योग एक शारीरिक एवं आत्मिक क्रिया है, जिसका किसी धर्म अथवा पंथ से कोई सबंध नहीं है। सामूहिक योग प्रदर्शन स्वैच्छिक होगा।

## संपादकीय

# यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं

प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने 9 जून को सत्ता में 11 साल पूरे कर लिए हैं। लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण जनादेश और सरकारी स्थिरता का प्रतीक है। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बाद प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल सबसे लंबा है। उनके मौजूदा कार्यकाल के अभी चार साल शेष हैं। भारत में प्रत्येक प्रधानमंत्री प्रशंसा और साधुवाद का पात्र है, क्योंकि आबादी 50 करोड़ रही हो अथवा अब 146 करोड़ से अधिक, विश्व में सर्वाधिक आबादी है, उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को संतोषजनक रूप से संबोधित करना, हल करने का प्रयास करना, बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल मौजूदा मोदी सरकार का प्रथमदृष्ट्या आकलन करें, तो यकीनन ये बदलाव, विकास और विस्तार के 11 साल हैं। कांग्रेस का इन्हें 'नाकामियों के 11 साल' करार देना स्वाभाविक है, क्योंकि वह प्रमुख विपक्षी दल है, लेकिन इतने लंबे सालों के बाद आज भी 'अच्छे दिनों' का इंतजार है। मोदी सरकार के अनुच्छेद 370 निरस्त करने, तीन तलाक का कानून बनाने, उज्ज्वला योजना, हर नल में जल, महिला वंदन अधिनियम, कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचे, 359 मीटर, केबल स्टे रेलवे पुल बनवाने और चांद पर सफलता से उतरने से लेकर नोटबंदी, कोरोना तालाबंदी, तीन कृषि कानून, आर्थिक असमानताओं, बेरोजगारी, महंगाई, कुपोषण आदि तक सरकार ने सफलताएं भी अर्जित की हैं और नाकाम भी साबित हुई है, लेकिन सरकार की सक्रियता निरंतर रही है। यकीनन घर-घर शौचालय बनवाना सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक बदलाव का प्रतीक है। भारत 1947 में आजाद हुआ था। तब से 2014 तक देश की जीडीपी 2 ट्रिलियन डॉलर थी, लेकिन इन 11 सालों के दौरान कुल जीडीपी 4.187 ट्रिलियन डॉलर हो गई और भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया।

विश्व की सर्वोच्च 10 अर्थव्यवस्था वाले देशों में भारत की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की हालिया रपटों में खुलासा किया गया है कि भारत में करीब 27 करोड़ लोग 'अत्यधिक गरीबी' से बाहर आए हैं। नतीजतन गरीबी की औसत दर 5 फीसदी से कुछ ज्यादा तक लुढ़क आई है। जो रोजाना 250 रुपए के करीब खर्च कर सकता है, उसे 'गरीब घर' आंका गया है। आईएमएफ और विश्व बैंक की रपटों को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन बार-बार यह सवाल उठता रहा है कि यदि भारत सरकार करीब 81 करोड़ 'गरीब भारतीयों' को हर माह 'मुफ्त राशन' नहीं बांटेगी, तो क्या वे भूखों मर जाएंगे? भारत में गरीबी-रेखा के आधार और परिभाषाएं भिन्न हैं, लिहाजा आरएसएस का 'स्वदेशी जागरण मंच' अब भी स्वीकार करता है कि देश में करीब 11 करोड़ लोग 'गरीबी रेखा के नीचे' हैं। भारत में यह आर्थिक विरोधाभास कब खत्म होगा? या इसे खत्म किया ही नहीं जा सकता? बेशक भारत ने विकास किया है, नतीजतन 11 साल की औसत आर्थिक विकास दर 6.4 फीसदी है। यह विश्व में सर्वाधिक है। भारत में नक्सलवाद अंतिम सांसें गिन रहा है, पूर्वोत्तर राज्यों में उग्रवाद नगण्य है और जम्मू-कश्मीर में लोकतांत्रिक चुनाव के बाद लोगों की अपनी सरकार अस्तित्व में है। अलगाववाद का सफाया हो चुका है। आतंकवाद के अवशेष अब भी हैं, लेकिन कश्मीर में आमूल परिवर्तन आया है। सवाल बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, स्टार्टअप, स्टैंड अप, मैन्यूफैक्चरिंग, निर्यात को लेकर अब भी हैं। भारत के मात्र 18 शहर इन 11 सालों में कथित रूप से 'स्मार्ट सिटी' की परिभाषा के दायरे में आ पाए हैं। देश के कई हिस्सों में नल के पाइप आदि तो दिखाई देते हैं, लेकिन उनमें जल अब भी गायब है, लेकिन देश में विकास का विस्तार जरूर हुआ है। औसतन 35 किमी हरोज सड़क और राजमार्ग बन रहे हैं। अलबत्ता 'अच्छे दिन' के लिए प्रतीक्षारत जरूर हैं।

## विश्व बाल श्रम निषेध दिवस

# बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता

– योग गुरु महेश अग्रवाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षों से निःशुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है। वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले बच्चों का योग से जुड़े रहें इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़े ऐसा अभ्यास करवाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल ने कहा कि बाल मजदूरी मानवता पर कलंक है। इसे रोकना हर सभ्य समाज का कर्तव्य है। विश्व बालश्रम निषेध दिवस हमें बच्चों के हितों के संरक्षण के लिए सचेत करता है। आज विश्व बालश्रम निषेध दिवस के अवसर पर हम सभी इस कलंक को समाप्त करने का प्रण धारण करें। बच्चे देश का सुनहरा भविष्य हैं, जिनसे श्रम करवाना कानूनी अपराध है। हम बचपन को शिक्षित व सशक्त बनाकर देश को बाल श्रम से मुक्ति दिलाने का संकल्प लें व उनके जीवन को संवारने में भूमिका निभाएं।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग जीवन जीने की कला और विज्ञान है, और इसका संबंध मन और शरीर के विकास से है। अतः समन्वित रूप से व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करने के लिए योग क्रमबद्ध अनुशासनों का समावेश करता है। हम योगानुशासनों का आरंभ प्रायः व्यक्तित्व के बाहरी आयाम, भौतिक शरीर से ही करते हैं। आसनों का अभ्यास मेरुदण्ड के अतिरिक्त मांसपेशियों तथा जोड़ों को स्वस्थ और लचीला बनाये रखता है।

प्राणायाम केवल फेफड़ों में शुद्ध वायु पहुँचाने और उन्हें शक्ति प्रदान करने के कारण महत्त्वपूर्ण नहीं, बल्कि ये मस्तिष्क और भावनाओं पर भी सीधा असर डालते हैं। प्राणायाम के द्वारा प्राप्त हुई भावनात्मक स्थिरता मानसिक एवं सृजनात्मक ऊर्जाओं को रचनात्मक ढंग से मुक्त करती है और बच्चा अधिक आत्म-विश्वास, आत्म- सजगता तथा आत्म-नियंत्रण से भर उठता है। प्रत्याहार बाहरी वातावरण से सजगता को अन्दर खींचकर दैनिक जीवन के तनाव को कम करता है। प्रत्याहार की विभिन्न विधियाँ, जैसे योग निद्रा, व्यक्ति के सभी आयामों को प्रभावित करती हैं, क्योंकि सजगता के प्रत्यावर्तन से उत्पन्न शारीरिक एवं मानसिक शिथिलीकरण तथा एकाग्रता इस विधि के महत्त्वपूर्ण तत्त्व हैं। अविच्छिन्न एकाग्रता या ध्यान मन के उपद्रवों को शांत करने और मानसिक शक्तियों को सृजनात्मक दिशा प्रदान करने में अत्यंत सहायक होता है।

योग गुरु अग्रवाल नें बताया कि जब आप बच्चों को योग की शिक्षा देने की बात सोचते हैं तो कम-से-कम शारीरिक संरचना एवं शरीर विज्ञान का मौलिक ज्ञान होना आवश्यक है। शिक्षक को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उसके और छात्रों के शरीर दो अलग-अलग अवस्थाओं में हैं, इसलिए उसके लिए यह समझना आवश्यक है कि बच्चे में शारीरिक एवं ज्ञानात्मक विकास किस प्रकार होता है। बच्चों में शारीरिक विकास की प्रक्रिया बचपन से किशोरावस्था तक निरंतर चलती रहती है। जीवन के पहले दो वर्षों में यह प्रक्रिया अत्यधिक तीव्रता से होती है और बचपन के मध्य भाग में इसकी गति धीमी हो जाती है। बाद में यौवनारंभ के साथ शरीर का अचानक विकास होने लगता है और वयस्क लंबाई प्राप्त हो जाने पर यह बंद हो जाता है। यौवनारंभ के साथ शरीर में होने वाला क्रियात्मक एवं संरचनात्मक परिवर्तन इसे प्रजनन के योग्य बनाता है। लड़कों तथा लड़कियों, दोनों में ही जीवन के पहले वर्ष में धड़ और अन्य अंगों की मोटाई अधस्त्वचीय वसा के कारण बढ़ने लगती है और फिर बचपन के मध्य भाग में यह घटने लगती है।

जीवन के प्रारंभिक वर्षों में मस्तिष्क का आकार तीव्र गति से बढ़ता है। अतः हम जिन छात्रों को शिक्षण दे रहे हैं उनके भौतिक शरीर में अभी भी परिवर्तन हो रहे हैं और योगासनों एवं प्राणायाम का उनकी शारीरिक संरचना एवं क्रियाओं पर बिल्कुल सीधा प्रभाव पड़ सकता है। कई कारणों से वृद्धि में विकार हो सकते हैं। केंद्रीय स्नायु संस्थान, हृदयसंवहनी, श्वसन, वृक्कीय, रक्त संबंधी या पाचन संस्थान में होने वाले विकार वृद्धि को बाधित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अवसादयुक्त घर का वातावरण भी इस संदर्भ में प्रतिकूल मनोवैज्ञानिक कारण हो सकता है। वृद्धि को अवरुद्ध करने वाली बीमारी जब दूर हो जाती है तो वृद्धि में अपेक्षाकृत अधिक तेजी आ जाती है। वृद्धि की इस तीव्र अवस्था को %कैच अप% वृद्धि कहते हैं। योगासनों का वर्गीकरण उनको करने की कठिनाई या अभ्यासों की गत्यात्मकता/स्थिरता के आधार पर किया जाता है।

**गत्यात्मक या स्थिर अभ्यास** – गत्यात्मक अभ्यासों से शरीर गत्यात्मक होता है। यद्यपि %आसन% शब्द का तात्पर्य शरीर की किसी स्थिर भंगिमा से है लेकिन अधिकतर गत्यात्मक अभ्यासों के लिए भी इस शब्द का प्रयोग किया जा रहा है। गत्यात्मक आसनों के इस समूह का उद्देश्य मांसपेशियों में वृद्धि करना नहीं, बल्कि शरीर को ढीला करना और शरीर के विभिन्न भागों में रुद्ध रक्त को पुनः संचरित करना है। ये त्वचा और मांसपेशियों को गठीला बनाते हैं, फेफड़ों को शक्ति प्रदान करते हैं। और पाचन एवं उत्सर्जन संस्थानों को अधिक क्रियाशील बनाते हैं।

**श्वसन**– जब तक अन्यथा निर्देश न दिया जाये तब तक हमेशा नाक से ही श्वास लें। गत्यात्मक आसनों में श्वास और गतिविधि धीमी, लंबी और समन्वित होती है। स्थिर आसनों के लिए अलग से दिये जाने वाले निर्देशों का अनुसरण करें।

**शारीरिक सजगता** – गत्यात्मक योगासनों एवं जिमनास्टिक्स की क्रियाओं में गति और शरीर की सजगता का अंतर होता है। शारीरिक सजगता से रहित आसनों का अभ्यास योग नहीं होता है। शारीरिक सजगता आसन के क्रम में ही शिथिलता लाती है। जब तनाव के साथ आसन किया जाता है तो उसका विपरीत प्रभाव होता है। उदाहरण के लिए, यदि सर्वांगासन को तनाव के साथ किया जाता है तो यौन ग्रंथियाँ अत्यधिक उत्तेजित हो जाती हैं जिससे शुक्राणुओं की उत्पत्ति में कमी होने के बदले वृद्धि होने लगती है।

**शिथिलीकरण** – आसनों के सत्र के पूर्व शवासन का अभ्यास करना चाहिए ताकि शरीर और मन तनावमुक्त हो जायें और भावनाएँ अभ्यासों पर केंद्रित हों। यदि आसन करते समय थकान लगे तो शवासन करें। आसनों का अभ्यास पूरा होने के बाद यदि कोई थकान हो तो उसे दूर करने के लिए 10 से 15 मिनट तक शवासन करें।

**क्रम** – पहले आसन फिर प्राणायाम और अंत में शिथिलीकरण या ध्यान करें।

**अभ्यास का समय** – दिन के किसी भी समय में आसनों का अभ्यास किया जा सकता है, केवल भोजन के बाद नहीं किया जाना चाहिए। हालाँकि सभी योगासनों को करने का सबसे अच्छा समय प्रातः काल है। उस समय वातावरण शुद्ध, शांत और सौर विकिरण से परिपूर्ण होता है। आमाशय एवं आँत क्रियाहीन रहते हैं। मन का चेतन स्तर आने वाले दिन की तैयारी में विचारों से मुक्त रहता है।

**अभ्यास का स्थान** – अभ्यास स्वच्छ, हवादार कमरे में होना चाहिए। जहाँ शांति हो और कोई कीड़ा- मकोड़ा नहीं हो। यदि संभव हो तो अभ्यास घर के बाहर किसी बगीचे में या किसी सुखद वातावरण में करना चाहिए, लेकिन वहाँ की हवा प्रदूषित नहीं होनी चाहिए और हवा तेज या ठंढी भी नहीं होनी चाहिए। कक्षा में अभ्यास आरंभ करने के पहले यह देख लें कि अभ्यास करने के लिए वहाँ पर्याप्त स्थान हो और आस-पास में मेज-कुर्सी इत्यादि नहीं हों। अधिकतर दुर्घटनाएँ किसी वस्तु पर गिरने के कारण होती हैं, न कि आसन करते हुए गिरने से। यदि कक्षा का फर्नीचर जमीन में जड़ा हुआ है तो आसनों को उसी स्थान के अनुसार रूपान्तरित करके किया जाना चाहिए।

किसी कक्षा के लिए या स्वयं अपने दैनिक अभ्यास के लिए आसनों का चुनाव करते समय छः मुख्य प्रकार के आसनों को सम्मिलित करना चाहिए। 1. सामने की ओर झुकने वाला एक आसन जिससे सामने की ओर मेरुदंड में लचीलापन रहे। 2. पीछे की ओर झुकने वाला एक आसन, जो सामने की ओर झुकने को संतुलित करे। 3. मेरुदंड को मोड़ने वाला आसन जो उसे पार्श्विक संचलन के लिए लचीला बनाये। 4. संतुलनकारी आसन। संतुलन करने की क्षमता हम बचपन में प्राप्त करते हैं और वृद्धावस्था में इसका क्षय होने लगता है। अनेक डॉक्टर, विशेष रूप से जो वृद्धों का इलाज करते हैं, वे संतुलनकारी आसनों का प्रतिदिन अभ्यास करने का सुझाव देते हैं ताकि बचपन में प्राप्त हुई वह महत्त्वपूर्ण क्षमता बनी रहे। 5. सिर के बल किये जाने वाले आसन, जिनसे सिर में स्थित ग्रंथियाँ सक्रिय एवं प्रेरित होती हैं और पैरों की ओर प्रवाहित होने वाले रक्त का दबाव विपरीत दिशा में पड़ता है। 6. बैठ कर किये जाने वाला स्थिर आसन, जिससे प्राणायाम एवं ध्यान के अभ्यास में शरीर बिना हिले स्थिर रह सके।

# बाल श्रम रोकने के लिए सख्त कार्यवाही जरूरी

**अमिताभ पाण्डेय**

आज 12 जून है। यह दिन हर वर्ष विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है।

बच्चों का शोषण रोकने और बाल श्रम को समाप्त करने के लिए इस वर्ष प्रयासों को तेज करने का लक्ष्य रखा गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन तथा संयुक्त राष्ट्र बालको से 11 जून को जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि वर्ष 2024 में लगभग 13 करोड़ 80 लाख बाल श्रमिक थे इनमें से लगभग 5 करोड़ 40 लाख बच्चे ऐसे खतरनाक कामों में लगे हुए हैं जिससे उनके स्वास्थ्य सुरक्षा और विकास संबंधी गतिविधियों पर विपरीत असर पड़ रहा है।।

बाल श्रम को रोकने के लिए संकट संकल्पित बचपन बचाओ आंदोलन ने भी इसी प्रकार की एक रिपोर्ट वर्ष 2024 में प्रकाशित की इस रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में एक करोड़ 26 लाख 66377 बाल मजदूर हैं इस रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में लगभग 7 लाख से ज्यादा बाल श्रमिक है भोपाल में यदि हम बात करें तो बाल श्रमिकों की संख्या 10000 से अधिक है यह वे बच्चे हैं जो अपने घर परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण दुकानों पर साइकिल की दुकान पर होटल पर सब्जी के तेलों पर काम करने के लिए मजबूर है बाल मजदूरों की संख्या में मध्य प्रदेश उन पांच प्रमुख राज्यों में शामिल है जहां बाल मजदूर की संख्या अधिक है मध्य प्रदेश में बाल श्रमिक कृषि कार्यों से लेकर अन्य छोटे-छोटे व्यवसाय और एट भत्ते से लेकर खतरनाक कारखाना तक में काम कर रहे हैं बाल श्रम रोकने के लिए जो कानून बनाए गए हैं उनका यदि शक्ति से पालन किया जाए तो बच्चों को पढ़ने लिखने की उम्र में क्षमता से अधिक काम करने से रोका जा सकता है।

यहां यह बताना भी जरूरी होगा कि कोरोना की महामारी के बाद बाल मजदूरों की संख्या में बहुत बढोतरी हुई है इसका कारण कोरोना के कारण बहुत से घरों में घर में मुखिया की मौत हो जाना है।

बाल श्रम रोकने के लिए हम सभी को आगे आना होगा बाल श्रम केवल सरकार के भरोसे नहीं रोका जा सकता समाज में हर व्यक्ति को बाल श्रम रोकने के लिए अपनी भागीदारी बढ़ाना होगी अपने समुदाय के अन्य सदस्यों को बाल श्रम के हानिकारक प्रभाव के बारे में बताएं अपने बच्चों को अधिक से अधिक बेहतर शिक्षा मिले इस प्रकार के प्रबंध करें बाल श्रम के बारे में अगर हमें कहीं जानकारी मिले या बाल श्रमिकों का कहीं शोषण देखें तो इसके बारे में तुरंत संबंधित क्षेत्र के पुलिस थाने को बताएं अथवा हेल्पलाइन 1098 1221098 पर फोन करके सूचना दें इसके अलावा भारत सरकार के बाल श्रम संबंधी विभाग में पोर्टल पर शिकायत भी की जा सकती है इस संबंध में यह बताना भी जरूरी होगा कि होटल सब्जी व्यवसाय कृषि कार्य से लेकर खतरनाक केमिकल और कारखाने में बाल श्रम को रोकने के लिए लगातार निगरानी होना जरूरी है सरकारी विभागों बाल अधिकार संरक्षण आयोग बाल श्रम उन्मूलन से संबंधित संगठन के साथ मिलकर बाल श्रम को रोकने के लिए योगदान दें अपने समुदाय को इतना जागरुक और सतर्क बनाएं की समुदाय के बच्चों का किसी प्रकार से शोषण नहीं हो सके ।हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार मिले इसके लिए प्रेरित करें।

माता-पिता को बच्चों को श्रम करवाने की बजाय अधिक से अधिक शिक्षित करने के लिए भी जागरूक करें।

# भारतीय अध्यात्म जगत के महासूर्य हैं कबीर

– ललित गर्ग –

भारतीय संत परम्परा और संत-साहित्य में संत कबीर एक महान् हस्ताक्षर, समाज-सुधारक, अध्यात्म की सुदृढ़ परम्परा के संवाहक एवं अनूठे संत हैं। जब भारतीय समाज और धर्म का स्वरूप रूढ़ियों एवं आडम्बरों में जकड़ा एवं अधंकारमय था, एक तरफ मुसलमान शासकों की धर्मांधता से जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी और दूसरी तरफ हिंदूओं के कर्मकांडों, विधानों एवं पाखंडों से धर्म-बल का ह्रास हो रहा था, तब संत कबीर एक रोशनी बनकर समाज को दिशा दी। कबीर ने मानव चेतना के विकास के हर पहलू को उजागर किया। श्रीकृष्ण, श्रीराम, महावीर, बुद्ध, जीसस के साथ-ही-साथ भारतीय अध्यात्म आकाश के अनेक संतों-आदि शंकराचार्य, नानक, रैदास, मीरा आदि की परंपरा में कबीर ने धर्म की त्रासदी एवं उसकी चुनौतियों को समाहित करने का अनूठा कार्य किया। जीवन का ऐसा कोई भी आयाम नहीं है जो उनके दोहों-विचारों से अस्पर्शित रहा हो। अपनी कथनी और करनी से मृतप्रायः मानव जाति के लिए कबीर ने संजीवनी का कार्य किया। इतिहास गवाह है, इंसान को ठोंक-पीट कर इंसान बनाने की घटना कबीर के काल में, कबीर के ही हाथों हुई। शायद तभी कबीर कवि मात्र ना होकर युगपुरुष और युगस्रष्टा कहलाए।

महात्मा कबीर सत्व, रज, तम तीनों गुणों को छोड़कर त्रिगुणातीत बन गये थे। उन्होंने निर्गुण रंगी चादरिया रे, कोई ओढ़े संत सुजान को चरितार्थ करते हुए सद्भावना और प्रेम की गंगा को प्रवाहित किया। उन्होंने इस निर्गुणी चदरिया को ओढ़ा है। उन्हें जो दृष्टि प्राप्त हुई है, उसमें अतीत और वर्तमान का वियोग नहीं है, योग है। उन्हें जो चेतना प्राप्त हुई, वह तन-मन के भेद से प्रतिबद्ध नहीं है, मुक्त है। उन्हें जो साधना मिली, वह सत्य की पूजा नहीं करती, शल्य-चिकित्सा करती है। सत्य की निरंकुश जिज्ञासा ही उनका जीवन-धर्म रहा है। वही उनका संतत्व रहा, वही उनकी साधना का अभिन्न अंग रहा। वे उसे चादर की भाँति ओढ़े हुए नहीं हैं बल्कि वह बीज की भाँति उनके अंतस्तल से अंकुरित होता रहा है। कबीर ने सगुण-साकार भक्ति पर जोर दिया है, जिसमें निर्गुण निहित है।

हर जाति, वर्ग, क्षेत्र और सम्प्रदाय का सामान्य से सामान्य व्यक्ति हो या कोई विशिष्ट व्यक्ति हो -सभी में विशिष्ट गुण खोज लेने की दृष्टि कबीर में थी। गुणों के आधार से, विश्वास और प्रेम के आधार से व्यक्तियों में छिपे सद्गुणों को वे पुष्प में से मधु की भाँति उजागर करने में सक्षम थे। परस्पर एक-दूसरे के गुणों को देखते हुए, खोजते हुए उनको बढ़ाते चले जाना कबीर के विश्व मानव या वसुधैव कुटुम्बकम् के दर्शन का द्योतक है। उन्होंने मन, चेतना, दंड, भय, सुख और मुक्ति जैसे सूक्ष्म विषयों पर भी किसी गंभीर मनोवैज्ञानिक की तरह विचार किया था और व्यक्ति को अध्यात्म की एकाकी यात्रा का मार्ग सुझाया था। कबीर ने लोगों को एक नई राह दिखाई। घर-गृहस्थी में रहकर और गृहस्थ जीवन जीते हुए भी शील-सदाचार और पवित्रता का जीवन जिया जा सकता है तथा आध्यात्मिक ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। वे संसार से भागे नहीं, बल्कि संसार में रहकर सादगी को, संतता को साधा। इसीलिये कबीर एक सामान्य मनुष्य के लिये आशा का द्वार है।

संत कबीर का जन्म लहरतारा के पास जेठ पूर्णिमा को हुआ था। उनके पिता नीरू नाम के जुलाहे थे। 119 वर्ष की आयु में उन्होने मगहर में अपना देह त्यागा। कुछ लोगों का कहना है कि वे जन्म से मुसलमान थे और युवा अवस्था में स्वामी रामानंद के प्रभाव से उन्होंने हिन्दू धर्म की विशेषताओं को स्वीकारा। कबीर ने हिन्दु, मुसलमान का भेद मिटाकर हिन्दू भक्तों तथा मुसलमान फकीरों के साथ सत्संग किया और दोनों की अच्छी बातों को आत्मसात किया। उनके जीवन में कुरान और वेद ऐसे एकाकार हो गये कि कोई भेदरेखा भी नहीं रही। कबीर पढ़े लिखे नहीं थे पर उनकी बोली बातों को उनके अनुयायियों ने लिपिबद्ध किया जो लगभग 80 ग्रंथों के रूप में उपलब्ध है। कबीर ने भाईचारे, प्रेम और सद्भावना का संदेश दिया है। उनके प्रेरक एवं जीवन निर्माणकारी उपदेश उनकी साखी, रमैनी, बीजक, बावन अक्षरी, उलट बासी में देखे जा सकते हैं। कबीर एक ऐसे संत हैं, जिनके लिये पंथ और ग्रंथ का भेद बाधक नहीं। वे दो संस्कृतियों के संगम हैं। उनका मार्ग सहजता है, यही कारण है कि उन्होंने सहज योग का मार्ग सुझाया।

# विश्व रिकॉर्ड से जुड़ा भारत का स्वर्ग

**सरयूसुत मिश्रा सरयूसुत मिश्रा**

पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार ग्यारह साल पूरे कर चुकी है. भाजपा पूरे देश में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोदी सरकार की उपलब्धियां गिना रही है. परंपरा के मुताबिक विपक्ष सरकार की असफलताएं गिना रहा है.. !!

विपक्ष अगर सरकार की उपलब्धियां मान लेगा तो फिर उसकी राजनीति कैसे चलेगी. जब किसी सरकार की उपलब्धियां विश्व रिकॉर्ड बनाने लगें तो फिर शब्दों से ज्यादा उपलब्धियों की पिक्चर बोलती है. भारत का स्वर्ग कश्मीर रेल से जुड़ गया है. दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे चिनाब ब्रिज भारत ने बनाया है.

कोई देश जब अपनी बुनियादी जरूरतों की श्रृंखला को पूरा करने में सफल हो जाता है. तब राष्ट्रीय गर्व के ऐसे अभूतपूर्व काम पूरे किए जाते हैं. इसके साथ ही अंजी ब्रिज भी लोकार्पित किया गया है. अब भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर ट्रेन से जाया जा सकता है. विश्व रिकॉर्ड की यह उपलब्धि अकेली नहीं हो सकती. इसकी पूरी एक श्रृंखला होती है. इसको आइसोलेशन में देखना भारत के विभिन्न पक्षों को विभाजित दृष्टि से देखना होगा.

चिनाब ब्रिज के उद्घाटन के समय पीएम नरेंद्र मोदी ने हाथ में तिरंगा लेकर राष्ट्रीय गर्व का जिस तरह से प्रकटीकरण किया है, उससे भी रिकॉर्ड बन गया है. देश के प्रधानमंत्री आजादी के बाद हर साल स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं. यह हर साल हम देखते हैं. अभी तक देश ने कभी नहीं देखा जब किसी प्रधानमंत्री ने हाथ में विजयी विश्व तिरंगा लेकर भारत और भारतीयता के वैभव और दृढ़ इच्छा शक्ति को बिना कुछ बोले दुनिया को दिखाया. मोदी की यह तस्वीर हज़ारों शब्दों के बराबर है. कभी-कभी स्थिर छवि कई विचारों को व्यक्त करती है.

बीजेपी पीएम नरेंद्र मोदी सरकार उपलब्धियां गिना रही है. अब तक सरकार को मिले जनादेश उन उपलब्धियों की पुष्टि करते हैं. जब ग्यारह साल सरकार के पूरे हुए हैं, तब देश का शौर्य और उपलब्धियां ऑपरेशन सिंदूर और चिनाब ब्रिज ने स्थापित कर दी हैं. इन उपलब्धियों को कागजों पर बताने की जरूरत नहीं है. यह तो जमीन पर देश के कोने-कोने में फैली हुई दिखाई पड़ती हैं.

राजनीति की नजर से उपलब्धियों को देखा जाएगा तो उसमें आरोप प्रत्यारोप ज़रूर शामिल होंगे. अगर राष्ट्र के हिसाब से उपलब्धियों को गुना जाएगा तो भारत ने 11 सालों में अनेक क्षेत्रों में न्यू नॉर्मल बनाया है. जिस बीजेपी के लिए देश में सरकार बनाना कभी दिवा स्वप्न हुआ करता था, उसी बीजेपी को अपनी सरकार के 11 साल पूरे करना राजनीति में ध्रुवीय परिवर्तन जैसा है.

भारत ने चंद्रयान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर दुनिया में रिकॉर्ड इसी सरकार के कार्यकाल में बनाया है. राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा किसी भी सरकार का सबसे पहला दायित्व है. इस मामले में मोदी सरकार ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं.आतंकवाद के प्रॉक्सी वॉर को एक्सपोज करने में सफलता मिली है.

सरकार का यह फैसला कि अब कोई भी आतंकवादी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा. एक बड़ा नीतिगत परिवर्तन कहा जा सकता है. आजादी के दिन से ही पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ आतंकवादी प्रॉक्सी वॉर शुरु कर दिया गया था. तब से भारत आतंकवादी हमले झेलता रहा, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है, कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर घुसकर ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को मिसाइल से नेस्तनाबूद किया है. सिंधु जल संधि को स्थगित करना भी मोदी सरकार का निर्णायक कदम है, जो पाकिस्तान को घुटने पर लाने के लिए कारगर साबित होगा.

यह भी पहली बार हो रहा है, कि पीओके को भारत में लाने के लिए हर राजनीतिक दल खुलकर बात करने लगे हैं. अब तो सरकार ने साफ कर दिया है, कि पाकिस्तान के साथ बात होगी, तो केवल आतंक समाप्त करने और पीओके वापस करने के लिए होगी. चिनाब ब्रिज पीओके पर भी असर डालेगा. विकास का यह अभूतपूर्व सेतु पीओके को भारत में मिलाने का सेतु बनेगा. विशेषज्ञ तो यह भी दावा कर रहे हैं, कि पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर से ही भारत में शामिल होने की आवाज उठेगी.

सरकार के कामकाज तो एक सिस्टम के तहत होते हैं. सिस्टम वही होता है, लेकिन लीडर के साथ उसकी चाल- ढाल बदल जाती है. एक चेहरा कैसे सरकार और राजनीतिक दल का फेस बदल देता है. यह भारत ने 11 सालों में देखा है. मोदी का जैसा विरोध राजनीति में किया जाता है, वैसा पहले किसी नेता का नहीं देखा गया है. मोदी को देश में एंटीमुस्लिम बताया जाता है और दुनिया के मुस्लिम राष्ट्र उन्हें अपने नागरिक सम्मान से नवाज़ते हैं. उन्हें हिंदू नेशनलिस्ट के रूप में प्रचारित किया जाता है, जबकि उनकी सरकार के कामकाज में सभी वर्गों और धर्म के साथ बिना भेदभाव के समान रूप से योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाता है.

मोदी ने हमेशा चुनौतियों को चुनौती देने का रास्ता चुना. यह सही है, कि गवर्नेंस एक सतत प्रक्रिया है, लेकिन इसी प्रक्रिया में तो सुधार लीडरशिप की सक्सेस का पैमाना होता है. राजनीतिक नेताओं के खिलाफ करप्शन के मामले जितना मोदी सरकार के समय सामने आए हैं, कार्रवाई हुई है इतना पहले कभी नहीं हुई. इसके लिए मोदी को क्या-क्या नहीं कहा गया. फिर भी उन्होंने बिना डरे सुशासन के प्रति अपनी इच्छा शक्ति को झुकने नहीं दिया.

वूमेन लेड डेवलपमेंट की दिशा में देश को ले जाना मोदी सरकार की बड़ी सफलता मानी जाएगी. जितनी गालियां विरोधी दल मोदी को देते हैं, शायद इसके पहले किसी भी प्रधानमंत्री को इतनी गालियां नहीं दी गईं. मोदी को प्रधानमंत्री का चेहरा बनाने के बाद बीजेपी को दिल्ली में सरकार बनाने का मौका मिला. उनके चेहरे से बीजेपी को अपनी जड़े जमाने में बहुत लाभ मिला है. परफेक्शनिस्ट मोदी के कारण ही सरकार के कामकाज में इनोवेशन और परफेक्शन दिखाई देता है. फैसलों में सरप्राइज मोदी स्टाइल है. जो पहले कभी नहीं हुआ उसको करने के लिए आगे बढ़ना उनकी ताकत है. यही ताकत सरकार की उपलब्धियों में झलकती है.

बिना डरे बिना झुके वही चल सकता है, जो अपने आत्म बल को साधता है. देश ही जिसका परिवार हो. उसको परिवार वादी राजनीति ना पचा सकती है और ना डरा सकती है. एफिल टावर से भी ऊंचा चिनाब ब्रिज बनाने की क्षमता और इच्छा शक्ति भारत के आत्मबल को बढ़ा रहा है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

## जर्जर हालात? मे एक सौ दस साल पुराना विश्राम भवन

नैनपुर लोक निर्माण विभाग का विश्राम भवन अपनी जगह हालत को प्रदर्शन कर रहा है बार-बार विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया है विभाग के अधिकारी प्राक्कलन तैयार कर उच्च अधिकारियों को कार्य के निर्माण के लिए भेजा गया है परंतु निर्माण कार्य की ओर ध्यान नहीं दिया गया विश्राम ग्रह का एक नंबर ब्लॉक के अलावा सीलिंग टूट फूट गई है विगत दिनों विधायक कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपत्तियां को हालात से अवगत कराया गया मंत्री राकेश सिंह से गंभीरता के साथ चर्चा की विभाग की ओर से कार्रवाई के निर्देश दिए गए

## सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ने की जल जीवन मिशन की समीक्षा

**मण्डला।** प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री पी. नरहरि ने जबलपुर संभाग के समस्त जिलों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली।बैठक में उन्होंने जिलों की नल-जल योजनाओं के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।उन्होने कहा कि हर घर तक गुणवत्तायुक्त शुद्ध पेयजल की पहुंचाना सुनिश्चित करें। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग श्री पी. नरहरि ने कहा कि पंचायत एवं लोक स्वा स्थ्य यांत्रिकी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।रोड रेस्टोरेशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि 20 जून तक रोड रेस्टोरेशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण करें।प्रमुख सचिव श्री नरहरि ने निर्देशित किया कि अनुसूचित जनजाति वर्ग को शतप्रतिशत पेयजल उपलब्ध कराएं।बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत एफएसटीसी,एफएचटीसी के लक्ष्यों,उपलब्धियों, हर घर जल घोषित/प्रमाणीकरण,हर घर जल हस्तांतरित, पीएम जनमन एवं डीए सहित अन्य की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।मंडला एनआईसी से वीडियो कॉन्फ्रेंस में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट,ईई श्री मनोज भास्कर,जल निगम के अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित थे।

## नियमित रूप से लगाएं राजस्व न्यायालय-प्रमुख सचिव

**मंडला।** प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक कुमार पोरवाल ने समस्त कलेक्टर्स को वीसी के माध्यम से संबोधित किया।उन्होंने कहा कि एक ही परिसर में लग रहे समकक्ष राजस्व न्यायालयों को मर्ज करने की कार्यवाही कराएं।साथ ही यह सुनिश्चित कराएं कि रेवेन्यू कोर्ट नियमित रूप से लगाए जाएं।उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग की ओर से संचालित किए जा रहे 12 पटवारी ट्रेनिंग स्कूल के स्थान पर अब केवल भोपाल एवं उज्जैन के 2 पटवारी ट्रेनिंग स्कूल संचालित किए जाएंगे।अधीक्षक भू-अभिलेख तथा सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख के पदों को क्रमशः तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की पदों में मानकीकरण किया जा रहा है।वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन,राजस्व न्यायालय,अधिनस्थ न्यायालयों की मॉनिटरिंग, राजस्व आयुक्त,आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालय एवं अधिनस्थ कार्यालयों का पुर्नगठन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना,जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करना,एनडीएमआईएस, आईएफएमआईएस,बाढ़/अतिवर्षा से निपटने के लिए पूर्व तैयारियाँ,पीएम किसान सम्मान निधि तथा साईबर तहसील के विषय में चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

## जैन तपस्वी तेजस का किया सम्मान

**आष्टा।** प्रभु प्रेमी संघ ने तपस्या का किया अनुमोदननगर के युवा व्यवसायी तथा प्रमुख समाजसेवी राहुल धाड़ीवाल के पुत्र तेजस ने सिर्फ ग्यारह वर्ष की आयु में नासिक तीर्थ में 47 दिवसीय उपधान तप की कठिन तपस्या गुरु सानिध्य में की । तपस्या की पूर्णता पर आचार्य श्रीमद विजय कुमुदचन्द्र सूरी महाराज ने तपस्वी तेजस को मोक्ष माला पहना कर आगामी धर्ममय जीवन की सफलता हेतु आशीष दिए ।तेजस श्वेताम्बर जैन समाज के वीरेंद्र धाड़ीवाल के पौत्र हैं जिनकी एक पुत्री कु. भावना जैन साध्वी बन कर तत्वरूचि महाराज साब के रूप में पूरे देश मे जैन धर्म के प्रमुख सिद्धांत सत्य और अहिंसा का प्रचार प्रसार कर धर्म प्रभावना में संलग्न हैं । तपस्वी तेजस के नगर आगमन पर विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत सत्कार हुआ । प्रभु प्रेमी संघ के संयोजक पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार , एडवोकेट प्रदीप धारीवाल , समाजसेवी संजय अग्रवाल , एडवोकेट सुरेंद्र सिंह परमार , वीरेंद्र परमार आदि ने भी अदालत चौराहा पर तेजस धाड़ीवाल का स्वागत किया ।

# 600 जवान, 40 जेसीबी और 2 पोकलेन मशीन, वन विभाग ने 180 हेक्टेयर जमीन से हटाया कब्जा

### कंटूर ट्रेंच पद्धति से बोए 60 क्विंटल बीज

**खंडवा।** मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में वन विभाग लगातार दो दिनों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में जुटी हुई है. भिलाईखेड़ा बीट के आमा खजुरी के 180 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है. इससे पहले दिसंबर- 2024 में कार्रवाई कर वन विभाग ने 70 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया था. इस प्रकार भिलाईखेड़ा बीट से वन विभाग और जिला प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 250 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा लिया है. वन विभाग ने सु-बबूल सहित अन्य 60 क्विंटल बीज डाल दिए हैं. ताकि एक बार फिर से ये जंगल हरे भरे हो जाए. कार्रवाई के दौरान पथराव करने वालों 11 अतिक्रमणकारियों को हिरासत में भी लिया गया है.

वन भूमि पर दोबारा अतिक्रमण नहीं हो, इसके लिए विभाग ने आधुनिक तकनीक से निगरानी के लिए भी तैयारी की है. वन विभाग इन जंगलों को अतिक्रमण से बचने के लिए ड्रोन से डेली सर्वे, पैदल

और वाहन से गश्त के साथ ही विभाग के ई-नेत्र के जरिए सैटेलाइट से निगरानी रखेगा. ई-नेत्र एप में विभाग ने अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन का विवरण चित्र के साथ अपलोड किया है. वन विभाग ने अतिक्रमण मुहिम में महाराष्ट्र की तर्ज पर कंटूर ट्रेंच पद्धति को अपनाया है. कंटूर ट्रेंच पद्धति का लाभवनों को फिर से समृद्ध करने के लिए किया जा रहा है. इससे अतिक्रमणकारी हल नहीं चला पाएंगे और बारिश का पानी इन्हीं गड्ढों में समाहित होगा. इसका फायदा यह होगा कि जंगल के साथ आसपास की जमीनों का भू-जल स्तर भी अच्छा होगा.

#### बीज डालकर पेड़ उगाए जा रहे हैं

डीएफओ राकेश डामोर ने बताया कि दो दिन से लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है. जिसमें वन विभाग और पुलिस बल के 600 जवानों ने सुरक्षा की व्यवस्था संभाल ली थी. जिसमें खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन और सेंधवा से आए वन विभाग के अमला शामिल हैं. इसमें 40 जेसीबी और 2 पोकलेन की मदद से अतिक्रमण हटाया गया और इन जगहों पर बड़े कंटूर (गड्ढे) बनाए गए हैं. इनमें बीज डालकर पेड़ उगाए जा रहे हैं. वन क्षेत्र की जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूरी हो चुकी है.

#### आदिवासी दलित संगठन की कार्यकर्ता कार्रवाई को बताया गलत

वन विभाग की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के विरोध में जागृत आदिवासी दलित संगठन की कार्यकर्ता माधुरी बेन ने कलेक्टर, एसपी और डीएफओ से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराई है. माधुरी बेन में वन विभाग की कार्रवाई को गलत बताया है. उन्होंने कहा जिन लोगों पर ये कार्रवाई की गई है. उनके दावे लगे है वन अधिकार कानून के तहत उन गांव का परीक्षण किए बिना ही उन्हें हटाया जा रहा है.

## चौराहों के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण से बदलेगी नगर की दशा: विधायक

**सांध्य प्रकाश बैतूल।** बैतूल में वर्षों से लंबित सौंदर्यीकरण योजना अब मूर्त रूप लेने जा रही है। जिससे शहर की छवि को नया आयाम मिलेगा शहर की खूबसूरती और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री अधोसंरचना विकास योजना के तहत बुधवार को शिवाजी, कारगिल ,और अंबेडकर चौक के सौंदर्यीकरण एवं पार्किंग निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4 बजे शिवाजी चौक से हुआ, प्रत्येक स्थल पर शहरवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही और जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों को लेकर उत्साह जताया। इस भूमिपूजन कार्यक्रम में भारत सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैतूल विधानसभा के विधायक ने की उन्होंने कहा कि इन प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण से नगर की दशा और दिशा दोनों बदलेगी। इस अवसर पर सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर, उपाध्यक्ष महेश राठौर, पार्षदगण आभा श्रीवास्तव, कायम कावरे, ममता मालवीय, रघुनाथ लोखंडे, तथा कुनबी समाज से अध्यक्ष मुन्ना मानकर, उज्जवल पांसे, सिद्धलता महाले भाजपा कार्यकर्ता दीपू सलूजा और शहर के प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वहिं श्री खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ एक शुरुआत है।

### मंडी का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम, भोजन वितरण में बड़ा फर्जीवाड़ा आया सामने

## टेंडर निरस्त ओर प्रकरण दर्ज करवाने के दिए निर्देश

**सिरोंज।** बुधवार को कृषि उपज मंडी का औचक निरीक्षण करने के लिए एसडीएम हर्षल पहुंचे तो बड़ा गोलमाल उनके सामने उजागर हो गया सरकार की रसोई योजना में पलीता लगाने का काम यहां पर हो रहा था इसके बाद उन्होंने संचालक पर तत्काल मामला दर्ज करने और टेंडर समाप्त करके निर्देश भी दिए ।इसके बाद टेंडर लेने वाले तथा मंडी के कई अधिकारियों, कर्मचारियों के चेहरों की रंगत बदल गई थी यहां पर महीने से किसानों के नाम पर इस खेल को अंजाम देकर लाखों का गोलमाल किया गया है जांच के बाद इनकी पोल खुली यहां लोग कई महीनो से इस काम को है अंजाम दे रहे थे। वहीं सरकार के द्वारा कृषकों को मंडी में रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराने वाली कैंटीनों पर एसडीएम जब पहुंचे और वहां पर उपलब्ध भोजन को देखा तो मौके पर 15 से 20 लोगों का खाना ही उपलब्ध था जबकि इनके रजिस्टर में प्रतिदिन 400 से अधिक किसानों को भोजन करने का रिकॉर्ड दर्शा कर किसानों के नाम पर बड़े गोलमाल को अंजाम दिया जा रहा है। जिसको देखकर एसडीएम ने संचालक को तत्काल फटकार लगाते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही किसी हालात में बर्दाश्त नहीं की जाएगी कृषकों के नाम पर इतना बड़ा गोलमाल हो रहा है इस

पर उन्होंने मंडी के सचिव और अधिकारियों को भी खूब खरी-खोटी सुनाते हुए कहा कि किसानों के नाम पर फर्जीवाड़ा हो रहा है कोई देखने के लिए नहीं आ रहा है आंखें बंद करके भुगतान कर रहे हो इसके बाद उन्होंने सबसे पहले टेंडर निरस्त किया जाए इसके बाद शासन की राशि का दुरुपयोग करने पर प्रकरण दर्ज करवाया ने के निर्देश भी दिए है ।

रजिस्टर पर एक तरह के ही साइन दिखाई दे रहे है फर्जीवाड़ा करने के लिए इनके द्वारा नाम जरूर अलग-अलग किसानों के लिखे हुए हैं इतनी संख्या में किसान मंडी में आ नहीं रहे हैं उससे ज्यादा संख्या भोजन वितरण में किया जा रही है क्योंकि शासन से मंडी में रसोई की व्यवस्था की गई है गुणवत्ता के साथ भोजन नहीं मिलने से किसानों कैंटीन में खाना खाने नहीं आते अधिकांश किसान अपने घरों से भोजन लेकर आते हैं इस वजह से यहां पर खाना खाने बहुत कम किस पहुंचते है पर कागजों में जरूर किसानों के नाम दर्ज करके बड़े कारनामे को अंजाम दिया गया है। इसकी बारीकी से जांच हो जाए तो कई मंडी कई अधिकारी कर्मचारियों की मिली भारत भी उजागर हो सकती है क्योंकि कैंटीन संचालक बिना इनकी सहमति के इतने बड़े गोलमाल नहीं कर सकता हैं यहां के रिकॉर्ड की जांच के बाद ही इनका भुगतान होता है कितने समय से गड़बड़ी हो रही है इसमें मंडी से कोई अधिकारी कर्मचारियों शामिल ना हो संभव नहीं है इन पर भी पर शासन की राशि का दुरुपयोग करवाने पर कड़ी कार्रवाई होनी चहिए ।

#### इनका कहना है

किसानों के नाम पर मंडी में संचालित होने वाली रसोई में गड़बड़ी मिलने पर टेंडर निरस्त करने और मामला दर्ज करवाने के निर्देश मंडी सचिव को दिए हैं।

**हर्षल चौधरी एसडीएम।**

## नगर पालिका का विशेष सम्मिलन हुआ सम्पन्न

**सिवनी।** नगर पालिका परिषद सिवनी का विशेष सम्मिलन दिनांक 11/06/2025 दिन-बुधवार को समय 03:00 बजे से नगर पालिका कार्यालय भवन में नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें कुल 10 प्रस्तावों पर विस्तार पूर्वक चर्चा सम्पन्न हुई जिसमें ब्लीचिंग एलम की सामग्री प्रदाय न करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्टेड करने पर चर्चा हुई, जलप्रदाय योजना में उपयोग होने वाली सामग्री क्रय करने पर चर्चा की गई, स्वास्थ्य शाखा में स्वच्छता से संबंधित उपयोग होने वाली सामग्री क्रय करने से संबंधी चर्चा की गई, विद्युत शाखा में उपयोग होने वाली सामग्री क्रय करने से संबंधित चर्चा की गई, ग्राम छिड़िया पलारी में स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत एम.आर.एफ. व बव.बवउचवेजपदह इकाई के विस्तारीकरण में मशीन क्रय करने से संबंधित चर्चा की गई, स्वास्थ्य शाखा अंतर्गत नगरीय क्षेत्रान्तर्गत साफ सफाई व्यवस्था में 30 कर्मचारियों को एक वर्ष की समयावधि हेतु आउटसोर्स के माध्यम से कार्य पर रखे जाने की चर्चा की गई, अमृत 2.0 के अंतर्गत मठ तालाब की बाडी रिज्युवेशन की स्वीकृत कार्ययोजना (डी.पी.आर.) को पुनरीक्षित किये जाने की स्वीकृति प्रदान करने के संबंध में चर्चा की गई, अमृत 2.0 योजनान्तर्गत जलप्रदाय कार्य के तहत् नगरीय क्षेत्र में प्रस्तावित पानी टंकी निर्माण कार्य स्थलों का अनुमोदन पर चर्चा की गई, नगरीय क्षेत्रान्तर्गत निर्माण/विकास कार्यो की कार्ययोजना तैयार करवाये जाने हेतु कंसलटेन्ट एवं आर्किटेक्ट/फर्म नियुक्त किये जाने के संबंध में चर्चा की गई एवं मरम्मत/निर्माण कार्यो में उपयोग होने वाली सामग्री की वार्षिक निविदा की दर स्वीकृति पर चर्चा की गई। विचार एवं निर्णय के लिये रखे गये सभी प्रस्तावों पर चर्चा के उपरांत परिषद की बैठक में उपस्थित पार्षदों ने सर्वसम्मति से पारित किया।

सम्मिलन प्रारंभ होने के पूर्व नगरपालिका के पार्षदों द्वारा नगर के विकास तथा वर्षा ऋतु आरंभ होने के पूर्व नालों की सफाई एवं कच्ची सड़को के मरम्मत कार्य पेयजल आपूर्ति जैसे अन्य विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जिस पर सीएमओ विशाल सिंह मस्कोले ने अवगत कराते हुए कहा कि निकाय द्वारा नगर के नालों का सफाई अभियान जारी है एवं पार्षदों द्वारा की जा रही मांग पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। परिषद की बैठक में उपाध्यक्ष श्रीमति डॉली अमित डागौर, पार्षदगणों में विजय गोलू पंडित, राजेश यादव, संजय भलावी, रविशंकर गुड्डा भांगरे, श्रीमति मालती बाबा पांडे, श्रीमति रामकुमारी बरमैया, श्रीमति राजश्री संदेश बास्सा, श्रीमति जीतू तरूण श्रीवास एवं श्रीमति गोविंदी रवि सैयाम, सुश्री साक्षी डागोरिया सहित निकाय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

## संत कवीर दास जयंती ,संत संतोखसिंह भजनगढ गुरुद्वारा मे मनाई गई

**ओबेदुल्लागज (संवाददाता)** संत कवीर दास की जयंती अर्जुन नगर के संत संतोखसिंह भजनगढ गुरुद्वारा मे मनाई गई ! सुबह 9 बजे से सुखमणी साहिब का पाठ प्रारंभ हुआ,, तत्पश्चात भजन कीर्तन,,फिर प्रसिद्ध कथाकार जगजीत सिंह (जीते भैया) ने संत कवीर दास के जीवन पर बताया कि सिख संप्रदाय के गुरुदेव अर्जुन देव जी ने कवीर दास के बारे मे तत्कालीन समय एक ग्रंथ मे लिखा था कि,,, तनना-बुनना त्याग के प्रभु प्रीत चरण कवीरा,,,

नीच कुला जुलाहि हो भयो गुणी गहीरा,,, कथाकार ने कहा कि संत कवीर दास जुलाहे (कपडा बुनाई) का काम करते थे,, उन्होने अपना बुनाई का काम छोड कर भगवान श्रीराम से प्रीत कर ली,, वे जुलाहा समाज के थे,, उस समय जुलाहा को नीच जाति का समझा जाता था,, जब उनका मन श्रीराम की भक्ति मे रम गया था,, तब उनको सभी लोग सम्मान की दृष्टि से देखने लगे थे,, कथा के बाद हरस्वरुप सिह ने भजन कीर्तन भी प्रस्तुत किऐ,,दोपहर 1-30 बजे गुरु घर के बजीर भगवान सिंह ने अरदास की ! कवीर दास जयंती कार्यक्रम मे सुरजीत सिंह बिल्ले, गुरुपाल सिंह, ब्राम सिह भूकिया,रघुवीर सिंह,अरुण भावषार, हरिओम खत्री, छोटे लाल दसोरे,, सुनील सेरिया,गंगाराम टेलर, आदि सहित माताऐ बहने बडी संख्या मे उपस्थित थे !

### तबादले की फाइल पर कलम चली- कार्रवाई के आदेश दबे रह गए

## जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने सीईओ भीमपुर के जाचं का कारण बताओ नोटिस जारी

**सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल** जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन आदेश, निर्देश और कार्रवाई की फाइलों में गजब का बैलेंस रखते है। इसका नमूना 9 तारीख को 47 ग्राम पंचायत सचिवों के हुए थोकबंद तबादला आदेश में देखने को मिला, ये 47 पंचायत सचिव ज्यादातर वो है। जिन्होंने अपनी ग्राम पंचायतों में गले-गले तक भ्रष्टाचार किया है। इसका एक नमूना भीमपुर ब्लॉक की केकडिय़ाकला और बासिंदा ग्राम पंचायतों में देखने को मिला है। केकडिय़ाकला ग्राम पंचायत के सचिव जगदीश ठाकुर का सोमवार 9 जून को केकडिय़ाकला से प्रभातपट्टन के सावंगी तबादला हो गया। अब सीईओ साहब के पास लगभग तीन माह से पेंडिंग केकडिय़ाकला ग्राम पंचायत में हुए लाखों के भ्रष्टाचार की फाइल पूछताछ, सवाल-जवाब सब कंपलीट होकर पड़ी है। लेकिन साहब की कलम उस कार्रवाई की फाइल पर न चलते हुए तत्काल की 9 जून की तबादला आदेश की फाइल पर चल गई। यदि कार्रवाई के आदेश की फाइल पर कलम चलती तो कई ग्राम पंचायतों के सचिवों की वाट लगना तय था। अब ऐसा क्यों हुआ कि कार्रवाई के आदेश की फाइल की धूल साफ नहीं हुई इससे ऐसा लगता है। कि अनियमितताओं की दलदल में आंकठ डूबे सचिवों को जिला पंचायत सीईओ ने अभयदान दे दिया हो जो आरोप-प्रत्यारोप केकडिय़ाकला ग्राम पंचायत के सचिव पर चल रहे थे। उसमें सभी जांच होकर

फरवरी में ही साहब के पास भीमपुर जनपद पंचायत के सीईओ का प्रतिवेदन आ गया था। लेकिन मार्च, अप्रैल, मई और अब जून चार माह साहब थोड़ा ज्यादा व्यस्त रहे। - भीमपुर जनपद पंचायत के केकडिय़ाकला और बासिंदा ग्राम पंचायत का मामला भीमपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिला पंचायत बैतूल का पत्र मिलने के बाद जांच प्रतिवेदन के सभी बिंदुओं पर जांच करके पत्र 6 फरवरी 2025 को जिला पंचायत सीईओ बैतूल को भेज दिया था, लेकिन जांच प्रतिवेदन का पत्र मिलने के चार माह बाद भी सीईओ साहब ने व्यस्तताओं के चलते इस ओर ध्यान नहीं दे सके। खैर जो भी लेकिन लेकिन केकडिय़ाकला में लाखों के भ्रष्टाचार में होने वाली कार्रवाई अब ठंडे बस्ते में जाते दिखाई दे रही है। और जिला पंचायत की कार्य प्रणाली पर भी सवालिया निशाना लगा रही है। जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन ने सीईओ भीमपुर के जाचं प्रतिवेदन पर अपने 7 मार्च को जारी कारण बताओ सूचना पत्र में स्पष्ट किया था। कि अमर सिंह साईचर सरपंच केकडिय़ाकला, जगदीश ठाकुर सचिव केकडिय़ाकला, लोकेश मोरसे मोबलाईजर ग्राम पंचायत बटकी तीनों को उनके पत्र में पांच बिंदुओ पर वित्तीय अनियमितता और अनुशासनहीनता का दोषी पाया। उनमें गाम पंचायत की उपसरपंच कविता तोमर द्वारा निर्माण कार्यों की जानकारी सचिव जगदीश ठाकुर से चाही गई थी। इस पर ठाकुर ने जानकारी देने की बजाए महिला उपसरपंच से अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर अनुशासन हीनता की। वहीं मनरेगा में अमृत सरोवर, लघु तालाब के कामों में सामग्री प्रदाय करने वालों को लाखों का भुगतान नहीं किया गया। इसकी कुछ राशि मोबेलाईजर के खाते में डाली गई। बटकी का यह मोबलाईजर बिना शासन की अनुमति के दूसरे राजनीतिक पदों पर नेतागिरी करता मिला है। और आर्थिक अनियमितताओं का भी दोषी है। वहीं सचिव जगदीश ठाकुर जनवरी से 6 फरवरी तक केवल 14 दिन ही पंचायत में आए बाकी दिन गोल मार दिया। वर्ष 2024 में भी सचिव की पंचायत में मौजूदगी नदारत जैसी रही।

## स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित कर कार्यकर्ताओं को जवाबदेही के साथ सशक्त बनाया जाएगा : चौ. राकेश

### कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान पार्टी को संगठनात्मक रूप से, मजबूत कर जनता की आवाज को बुलंद करने में सहायक होगा : राऊत

सागर/ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी के मार्गदर्शन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के रूप में एक रणनीतिक और व्यापक पहल शुरू की है। इस अभियान का उद्देश्य निचले स्तर से नए नेतृत्व को उभार कर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करना, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना और जनता के साथ गहरा जुड़ाव स्थापित करना है।

यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक सरत राऊत ने आज यहां पत्रकार वार्ता के दौरान कही। वे पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर पार्टी के संगठन सृजन अभियान को साकार रूप देने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में आज यहां पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ प्रदेश कांग्रेस की ओर से पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी तथा मनोज कपूर भी यहां पहुंचे हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ग्रामीण अध्यक्ष डॉ आनंद अहिरवार, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक, जिला शहर प्रवक्ता आशीष ज्योतिषी व अवधेश तोमर तथा नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष बाबू सिंह बब्बू यादव भी विशेष रूप से मौजूद थे।

केंद्रीय पर्यवेक्षक सरत राऊत ने आगे कहा कि यह अभियान कांग्रेस की मूल विचारधारा सामाजिक

न्याय, समावेशिता, और जन-केंद्रित विकास को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान कांग्रेस को न केवल संगठनात्मक रूप से मजबूत करेगा, बल्कि जनता की हर आवाज को बुलंद करने में भी सहायक होगा। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पीसीसी के पर्यवेक्षक चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के कुशल निर्देशन और मार्गदर्शन में जिला, ब्लॉक, और बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक गतिशील और समन्वित बनाकर संगठनात्मक सशक्तिकरण की दिशा में काम शुरू किया गया है।जिले के संगठन प्रभारी तथा पीसीसी के पर्यवेक्षक मनोज कपूर ने कहा कि यह अभियान सागर में युवाओं और महिलाओं को कांग्रेस के साथ जोड़ने का सुनहरा अवसर है। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत बूथ-स्तरीय संगठन निर्माण कर प्रत्येक बूथ पर सक्रिय कार्यकर्ता समूह का गठन किया जाएगा। जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष राजकुमार पचौरी ने चर्चा के दौरान कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशन में संगठन सृजन अभियान के तहत सागर में किसानों की समस्याओं जैसे उचित मूल्य, सिंचाई, और ऋण माफी पर ध्यान देना, बेरोजगारी और शिक्षा के मुद्दों को उठाना, साथ ही युवाओं को पार्टी में सक्रिय भूमिका देना, महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए विशेष कार्यक्रम को लेकर लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं।अंत में प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने कहा कि इस पत्रकार वार्ता में मीडिया के माध्यम से संगठन सृजन अभियान का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि इस अभियान को सागर और मध्यप्रदेश में प्रभावी बनाने में पार्टी के निचले स्तर के कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित की जा सके। पत्रकार वार्ता डॉ दिनेश पटेरिया सिंटू कटारे समेत कई वरिष्ठ नेता पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

# मप्र में यहां 1466 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार



भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार अब औद्योगिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। इस बार सरकार की नजर रतलाम जिले पर है, जहां राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। यह न सिर्फ स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा बल्कि हजारों लोगों को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। इसके साथ ही, इस क्षेत्र में प्रॉपर्टी की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

राज्य सरकार ने रतलाम में प्रस्तावित इस औद्योगिक क्षेत्र को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के पास विकसित करने का निर्णय लिया है। यह स्थान रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दोनों महानगरों दिल्ली और मुंबई के बीचोंबीच स्थित है। एक्सप्रेसवे से जुड़ाव के कारण परिवहन की सुविधा सहज होगी, जिससे निवेशकों को सस्ता और त्वरित लॉजिस्टिक्स सपोर्ट मिलेगा। वर्तमान में यहां पर करोड़ों रुपये की लागत से आधारभूत संरचनाओं के विकास का कार्य शुरू हो चुका है, जिसमें सड़क, बिजली, जल आपूर्ति और अन्य सुविधाएं शामिल हैं।

### 1466 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा नया इंडस्ट्रियल हब

रतलाम जिले में विकसित होने वाला यह औद्योगिक क्षेत्र लगभग 1466 हेक्टेयर भूमि पर फैला होगा। इस परियोजना को मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। इस भूमि पर सोलर एनर्जी, फार्मास्युटिकल, लॉजिस्टिक्स और ऑटोमोबाइल जैसे सेक्टरों के लिए विशेष इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। इससे रतलाम को एक बहुआयामी औद्योगिक हब के रूप में उभरने का अवसर मिलेगा।

### आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से निवेशकों को मिलेगा लाभ

औद्योगिक क्षेत्र के भीतर फोरलेन सड़कों का निर्माण, ब्रिज निर्माण, पाइपलाइन नेटवर्क और बिजली आपूर्ति की उन्नत व्यवस्था जैसे कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए सरकार ने करोड़ों रुपये की लागत को मंजूरी दी है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य के उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह सक्षम होगा। बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा संपन्न आधारभूत ढांचा देश-विदेश के निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित करेगा। इस विशाल परियोजना के माध्यम से रतलाम को एक मल्टी-स्पेशलिटी इंडस्ट्रियल ज़ोन में परिवर्तित करने का लक्ष्य है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की मध्यवर्ती स्थिति रतलाम को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भी स्थापित कर सकती है। इसके अलावा, क्लीन एनर्जी की दिशा में राज्य सरकार की रुचि को देखते हुए यहां सोलर प्रोजेक्ट्स और ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स की स्थापना की भी संभावनाएं प्रबल हैं। फार्मा उद्योग के लिए भी यह क्षेत्र अनुकूल है क्योंकि इसके पास श्रमिक बल, भूमि और लोकेशन की दृष्टि से अनुकूल परिस्थितियां मौजूद हैं।

# सोना खरीदने का प्लान है तो जाने आज के ताजा भाव



**नई दिल्ली, एजेंसी।** जून महीने में सोने चांदी की कीमतों में उतार चढ़ाव का दौर जारी है।अगर आप आज गुरूवार को सोना या चांदी खरीदने की सोच रहे है तो पहले ताजा भाव जान लीजिए। आज 12 जून सोने के दाम में 880 प्रति 10 ग्राम का उछाल आया है तो चांदी की कीमतों में 100 प्रति किलो की गिरावट आई है। नई कीमतों के बाद सोने के दाम 99000 और चांदी के भाव 1 लाख पर ट्रेंड कर रहे है।

आज गुरूवार को सराफा बाजार की ओर जारी सोने और चांदी के अनुसार आज 12 जून 2025 को 22 कैरेट सोने के दाम 91,150 , 24 कैरेट का भाव 99, 430 और 18 ग्राम सोने का रेट 74,580 रुपए पर ट्रेंड कर रहे है। वहीं 1 किलो चांदी का रेट 1, 08, 900 हजार रुपए चल रहा है।

18 कैरेट सोने का आज का भाव दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 74 580 रुपये। कोलकाता और मुंबई सराफा बाजार में 74, 460 रुपये। इंदौर और भोपाल में सोने का भाव 74, 500 चल रहा है। चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 74, 800 रुपये पर ट्रेड कर रही है। 22 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91, 050 रुपये । जयपुर, लखनऊ, दिल्ली सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 91,150/- रुपये । हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई सराफा बाजार में 91, 100/- रुपये ट्रेंड कर रहा है।

24 कैरेट सोने का आज का भाव भोपाल और इंदौर में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99,330 रुपये दिल्ली जयपुर लखनऊ और चंडीगढ़ सराफा बाजार में आज 10 ग्राम सोने की कीमत 99 430/- रुपये। हैदराबाद, केरल, बैंगलुरू और मुंबई सराफा बाजार में 99, 280/- रुपये । चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 99,280/- रुपये पर ट्रेंड कर रहा है। जयपुर कोलकाता अहमदाबाद लखनऊ मुंबई दिल्ली सराफा बाजार में 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 1,08, 900 /- रुपये चल रही है। चेन्नई, मदुरै , हैदराबाद,और केरल सराफा बाजार में कीमत 1,18,000/- रुपये। भोपाल और इंदौर में 1 किलो चांदी की कीमत 1,08, 900/ रुपए ट्रेंड कर रही है।

# खाद्य तेल हुआ सस्ता, सरकार ने घटाया आयात शुल्क

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सरकार ने कच्चे सूरजमुखी, सोया और पाम तेल पर सीमा शुल्क 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे खाद्य तेल सस्ता होने की उम्मीद है। विभाग ने कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे तुरंत एमआरपी घटाएं और उपभोक्ताओं को इसका लाभ पहुंचाएं। कीमतों की साप्ताहिक रिपोर्ट भी मांगी गई है। खाद्य तेलों के मूल सीमा शुल्क यानी बीसीडी में 50 फीसदी की कटौती की गई है। कच्चे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम ऑयल पर शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया गया है। इस फैसले के चलते कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 प्रतिशत से 19.25 प्रतिशत हो गया है। सरकार ने आदेश किया है कि जितना जल्द हो सके, कंपनियां इसका फायदा ग्राहकों को दें। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के सचिव की अध्यक्षता में प्रमुख खाद्य तेल उद्योग संघों और उद्योग हितधारकों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उन्हें शुल्क कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। विभाग ने बयान में कहा, वितरकों के लिए मूल्य और अधिकतम खुदरा मूल्य दोनों को समायोजित किया जाए। विभाग ने तेल एसोसिएशनों से कहा, वे तत्काल मूल्य कटौती लागू करने की सलाह दें। साथ ही, ब्रांडवार अपडेट एमआरपी शीट साप्ताहिक आधार पर विभाग के साथ साझा करें। मंत्रालय ने खाद्य तेल उद्योग के साथ एमआरपी की रिपोर्टिंग के लिए एक प्रारूप साझा किया है। इसमें जोर दिया कि आपूर्ति श्रृंखला के जरिये समय पर लाभ पहुंचाना आवश्यक है, ताकि उपभोक्ताओं को खुदरा कीमतों में भी इसी तरह की कमी हो सके। सरकार ने 31 मई को पाम तेल, कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क में 50 फीसदी की कटौती कर इसे 20 से 10 फीसदी पर ला दिया था। अधिकारियों ने कहा, 19.25 प्रतिशत शुल्क का अंतर घरेलू रिफाइनिंग क्षमता उपयोग को प्रोत्साहित करने और रिफाइंड तेलों के आयात को कम करने में मदद करेगा।

### एक साल में 25 प्रतिशत तक बढ़े दाम

खाना पकाने वाले तेलों की कीमतें एक साल में 25 फीसदी से तक बढ़ी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार, वनस्पति तेल का भाव बुधवार को 155 रुपये लीटर था, जो एक साल पहले 126 रुपये था। इसी तरह सोया तेल की कीमत 123 से बढ़कर 147 रुपये, सूरजमुखी तेल का दाम 123 से बढ़कर 160 रुपये लीटर, पाम तेल का भाव 100 से बढ़कर 132 रुपये और सरसों तेल की कीमत 138 से बढ़कर 172 रुपये पर पहुंच गई। हालांकि, कुछ शहरों में इनकी कीमतें इससे भी ज्यादा हैं। हालांकि, हाल के महीनों में इनमें 17 फीसदी तक तेजी आई थी।

# सिवनी में शराबी परिवहन निरीक्षक जेपी उइके की ट्रक ड्राइवरों ने की धुलाई, वीडियो हुआ वायरल



**सिवनी।** मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। जब ट्रक चालकों ने एक परिवहन निरीक्षक को शराब के नशे में धुत्त होकर अवैध वसूली (ढ्ढद्यद्यद्गद्दड्डद्य ऋड्ढष्4?द्गह्4) करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया, और इसने प्रदेश भर में हंगामा मचा दिया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि प्रभारी परिवहन निरीक्षक जे.पी. उइके नशे में लड़खड़ाते हुए ट्रक चालकों से वसूली की कोशिश कर रहे हैं। जब चालकों ने चेकिंग की अनुमति को लेकर सवाल किया, तो अधिकारी जवाब देने के बजाय झल्ला उठे और यहीं से शुरू हुआ पूरा घटनाक्रम। इस पूरी घटना ने मध्यप्रदेश के परिवहन विभाग की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जे.पी. उइके को कानून का डर होना चाहिए था, लेकिन वो खुद शराब में डूबा हुआ था। ट्रक चालकों को जब यकीन हो गया कि अधिकारी नशे में है, तो उन्होंने उसे रस्सी से बांध दिया। इस पूरे दृश्य का वीडियो बना लिया। यह वीडियो देखते ही देखते वायरल हो गया और कुछ ही घंटों में परिवहन विभाग के अफसरों तक पहुंच गया।

यह मामला जैसे ही परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा के संज्ञान में आया, उन्होंने तुरंत एक कड़ा आदेश जारी कर जे.पी. उइके को सिवनी चेकपॉइंट से हटाकर ग्वालियर मुख्यालय से अस्थायी रूप से संबद्ध कर दिया। आदेश में स्पष्ट लिखा गया कि उनके विरुद्ध गंभीर शिकायत प्राप्त हुई है। जांच के उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश प्रदेश के परिवहन सचिव, परिवहन मंत्री के कार्यालय, उप परिवहन आयुक्त जबलपुर, सिवनी क्षेत्रीय कार्यालय सहित सभी संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है। इस घटना ने एक और अहम सवाल खड़ा किया ड्ढ क्या हाईवे पर हो रही चेकिंग वैध थी? क्या यह सिर्फ वसूली अभियान बनकर रह गया था? दरअसल, मध्यप्रदेश सरकार ने हाल ही में हाईवे पर चेकिंग की पुरानी व्यवस्था को पूरी तरह खत्म कर दिया है। अब प्रदेश में स्थायी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं। सिवनी में जिस जगह जे.पी. उइके द्वारा चेकिंग की जा रही थी, वहां न तो प्रमाणित चेकिंग पॉइंट था, न ही कोई मोबाइल यूनिट की अधिसूचना, और न ही आवश्यक उपकरण मौजूद थे।

# बोले वाणिज्य मंत्री, भारत का माल और सेवा निर्यात चालू वित्तीय वर्ष में 900 अरब डॉलर को पार कर सकता है



**नई दिल्ली, एजेंसी।** रूस-यूक्रेन संघर्ष, इस्राइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का समग्र निर्यात 2024-25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2023-24 में यह 778 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इस बारे में देश के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का क्या कहना है, आइए जानते हैं। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025-26 के दौरान भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात 900 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। रूस-यूक्रेन संघर्ष, इजराइल-हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का समग्र निर्यात 2024-25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2023-24 में यह 778 बिलियन अमरीकी डॉलर था। उन्होंने कल रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, हमने पिछले वर्ष 825 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है और इस वैश्विक उथल-पुथल के बीच हम इस वर्ष निश्चित रूप से 900 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर जाएंगे। मंत्री दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने स्वीडिश समकक्ष और कंपनियों से मिलने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। शीर्ष निर्यातकों के संगठन फियो ने अनुमान लगाया है कि देश का समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात 2025-26 के दौरान सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। स्वीडन के स्टॉकहोम में बोलते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ÷भारत में जो अवसर, कौशल, क्षमता, मांग और निर्णायक नेतृत्व है- यह सब देखकर स्वीडिश कंपनियों को भी लगता है कि भविष्य भारत में है। 2047 तक आठ गुना बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था से हर कोई लाभ उठाना चाहता है।÷

### राम चरण प्रोडक्शन की महत्वाकांक्षी फिल्म

# 'द इंडिया हाउस' के सेट पर वाटर टैंक फटने से बाढ़ आई



**हैदराबाद।** तेलुगु सुपरस्टार राम चरण के प्रोडक्शन हाउस की महत्वाकांक्षी फिल्म 'द इंडिया हाउस' के सेट पर बड़ा हादसा हो गया। हैदराबाद के शमशाबाद इलाके में शूटिंग के दौरान विशाल वाटर टैंक फटने से सेट पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई, जिसके चलते कई क्रू मेंबर्स घायल हो गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सेट पर पानी से भरे हालात और क्रू मेंबर्स को उपकरण बचाने की कोशिश करते देखा जा सकता है। फिल्म में समुद्र की लहरों वाले एक एक्शन सीन की शूटिंग के लिए बड़े वाटर टैंक्स लगाए गए थे। इसी दौरान एक टैंक अचानक फट गया, जिससे हजारों लीटर पानी सेट पर फैल गया। इससे सेट पर अफरा-तफरी मच गई और कई क्रू मेंबर्स, जिनमें एक सहायक सिनेमैटोग्राफर भी शामिल है, घायल हो गए। घायलों को तुरंत हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

**हादसे के बाद शूटिंग को रोक दिया** हादसे के बाद शूटिंग को रोक दिया गया है और यह जांच की जा रही है कि सावधानियों के बावजूद यह दुर्घटना कैसे हुई। सेट पर महंगे कैमरे और उपकरणों को भी नुकसान पहुंचा है। 'द इंडिया हाउस' एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जो प्री-इंडिपेंडेंस भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में निखिल सिद्धार्थ और सई मांजरेकर मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अनुपम खेर भी एक अहम किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन राम वामसी कृष्णा कर रहे हैं, और इसे राम चरण की प्रोडक्शन कंपनी वी मेगा पिक्चर्स और अभिषेक अग्रवाल आर्ट्स मिलकर बना रहे हैं।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Doraiswamy will be new CMD of LIC selected on June 11
(WE SAID THIS ON MAY 15, 2025)
Will Doraiswamy be new CMD of LIC ?
In case Mohanty is not given extension R Doraiswamy, Executive Director at LIC is likely to be appointed new CMD in June. Selection process of the new CMD will start in May.

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM
Bhupendra Gupta selected as CMD, NHPC Ltd on June 11
(WE SAID THIS ON JUNE 3, 2025)
Bhupendra Gupta in race for CMD, NHPC Ltd
Bhupendra Gupta, Director (Technical), THDC India Limited, is in the race for the post of Chairman-cum-Managing Director, NHPC Limited.

# बाजार खुलते ही सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट, प्री-ओपनिंग में 100 अंकों से अधिक उछाल



**मुंबई, एजेंसी।** गुरुवार को प्री ओपनिंग में सेंसेक्स-निफ्टी में 100 अंकों से अधिक उछाल देखी गई। हालांकि, बाजार अपनी बढ़त बरकरार नहीं रख रका और बाजार खुलने के बाद बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी के सूचकांकों में मामूली गिरावट देखी गई। शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों को हुए शुरुआती नफा और नुकसान के बारे में जानिए। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच गुरुवार को घरेलू बाजार के प्रमुख सूचकांक सतर्कता के साथ खुले। निवेशकों की चिंता के कारण शुरुआती कारोबार के दौरान घरेलू सूचकांक में गिरावट रही। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 56.53 अंक चढ़कर 82,571.67 पर खुला । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 23.05 अंक चढ़कर 25,164.45 पर पहुंच गया। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 123.42 अंक चढ़कर 82,515.14 अंक पर बंद हुआ था। एनएसई निफ्टी 37.15 अंक बढ़कर 25,141.40 अंक पर आ गया था। कमजोर अमेरिकी मुद्रा, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक शुरुआत ने रुपये को भी मजबूत किया। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 85.46 पर पहुंच गया।

**एशियाई बाजारों का हाल:** गुरुवार को एशियाई बाजारों में मिली जुली तस्वीर देखने को मिली। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचंकाक में 0.9 प्रतिशत की बढ़त हुई, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स गिरा, ताइवान का वेटेड सूचकांक 0.8 प्रतिशत गिरा और हांगकांग का हैंग सेंग 0.56 प्रतिशत गिरा ।

**अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव का दिखा असर:** बैंकिंग और मार्केट एक्सपर्ट अजय बग्गा ने बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच सप्ताहांत में होने वाली बैठक से पहले कड़े रुख अपनाने की खबरे आ रही हैं। इसने निवेशकों के बीच चिंता पैदा कर दी है। उन्होंने आगे कहा कि यह दोनों देशों के वार्ता से पहले का शोर है।

### यूरोपीय बाजारों में भी तेजी दिखी

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय शेयर बाजारों में तेजी रही। मंगलवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत बढ़कर 67.16 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 2,301.87 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

# सोसायटी प्रबंधक किसानों को थमा रहे खाद्य के साथ 1400 रूपए में मक्का की थैली

## रेट को लेकर किसानों ने उठाए सवाल, बारिश रूकी, किसानों ने किये खेत तैयार



छिंदवाड़ा। खरीफ की बोनी के लिए किसानों ने खेतों को तैयार कर लिया है लेकिन अचानक बारिश रूक जाने से अब बारिश को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। जून माह में मृग लग जाने के बाद किसान मक्का की बोनी की तैयारी कर लेते हैं कुछ एक किसान तो बोनी भी कर देते हैं उन्हें अब बारिश की चिंता सताने लगी है। नौतपा और रोहनी में बेमौसम बारिश हुई मौसम विभाग ने कहा कि इस बार मानसून जल्दी आएगा लेकिन जैसे ही मक्का की बोनी का समय आया बारिश का कोई अता पता ही नहीं है बल्कि तापमान में बढ़ोत्री हो गई है। बोनी को लेकर मक्का खरीदी को लेकर खाद्य बीज की दुकानों में मक्का की खरीदी शुरू हो गई है। इस बार मक्का का रकबा बढ़ेगा। खरीफ सीजन के रकबे को देखते हुए सहकारी समीति ओर निजी एजेंसी के माध्यम से किसानों को यूरिया, डीएपी, एनपीके सहित अन्य उर्वरक उपलब्ध कराए जा रहे हैं साथ ही जिले की सोसायटियों में खाद्य के साथ एक बीज समीति का मक्का 1400 रूपए प्रति थैली में परमिट में थमाये जाने को लेकर किसानों ने सवाल खड़े किये लेकिन उसका जवाब सोसायटी प्रबंधकों के पास नहीं है क्योकि विभाग ने अभी रेट का निर्धारण ही नहीं किया है। कृषि विभाग की ओर से खरीफ फसल के लिए प्रस्तावित लक्ष्य में एक बार फिर मक्का के प्रति किसानों का रूझान दिख रहा है। इस वर्ष मक्का का रकबा बढ़ाते हुए 358 हजार हेक्टेयर में प्रस्तावित किया गया है यानी एक बार कार्न सिटी के तहत मक्का का रकबा अच्छा रहेगा। किसानों का कहना है कि पिछले दिनों प्री मानसून के चलते खेत तैयार कर लिया गया है मौसम में बदलाव आया है बारिश के साथ ही बोनी शुरू कर दी जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी अच्छी बारिश की उम्मीद है लेकिन किसान चिंतित हैं कि कही नौतपा और रोहनी में पानी गिरने के कारण बारिश दिक्कत न करें।

### बिना रेट निर्धारण के बेच रहे मक्का

जिले की सोसायटियों में विभाग द्वारा बीज समीतियों से मक्का का भंडारण कराया गया है लेकिन समीति प्रबंधकों ने बिना अनुमति और रेट निर्धारण के किसानों को मक्का 1400 रूपए में बेच दिया सोसायटियों में जिन् किसानों का खाता है वहां से उन्हें परमिट पर खाद्य मिलती है खाद्य के साथ एक बीज समीति का मक्का हर किसानों का थमाया गया है रेट को लेकर किसानों ने सवाल खड़े किये हैं और उन्होने जांच की मांगी है।

# एआइसीसी व पीसीसी के पर्यवेक्षगणों ने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में भरा जोश

## दिशा-निर्देश के साथ ही संगठनात्मक विषयों पर की चर्चा

छिन्दवाड़ा। एआइसीसी एवं पीसीसी से छिन्दवाड़ा संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त पर्यवेक्षगणों ने स्थानीय राजीव कांग्रेस भवन में सर्वप्रथम जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक ली। आयोजित बैठक में संगठन को सशक्त करने से लेकर पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की साथ ही कमलनाथ एवं नकुलनाथ के नेतृत्व में संचालित जिला कांग्रेस संगठन की प्रशंसा की साथ ही जिले के विकास की सराहना भी की।

आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए एआइसीसी से नियुक्त पर्यवेक्षक संजय कपूर ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस जल्द ही नए स्वरूप में नजर आएगी। संगठन सृजन अभियान के सार्थक परिणाम भी अविलम्ब सामने आएंगे। कमलनाथ एवं नकुलनाथ के नेतृत्व में छिन्दवाड़ा जिला कांग्रेस संगठन मजूबत है तभी तो जिले की सातों विधानसभा सीट विजयी हुई। सातों विधायकों को जिताने का काम इसी संगठन ने किया है। मप्र में लम्बे अंतराल के उपरांत कांग्रेस की सरकार बनी थी। इसके लिए भी उन्होंने कांग्रेस के जिला संगठन को बधाई दी। श्री कपूर ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत अच्छे नेतृत्व का चयन करना है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस अभियान में व्यक्तिगत नहीं बल्कि संगठनात्क बात होगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी से नियुक्त पर्यवेक्षक सरेन्द्र चौधरी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि मप्र व देश में छिन्दवाड़ा की पहचान कमलनाथ एवं नकुलनाथ की वजह से हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस संगठन यहां सबसे अधिक मजबूत है, और यहां उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की मेहनत व लगन से आगे भी सशक्त रहेगा। संगठन सृजन अभियान कांग्रेस के प्रत्येक पदाधिकारी व कार्यकर्ता का है, इसमें सभी की हिस्सेदारी नितांत आवश्यक है। इसीलिये कोई भी अपने-आपको इस अभियान से अलग ना समझें।

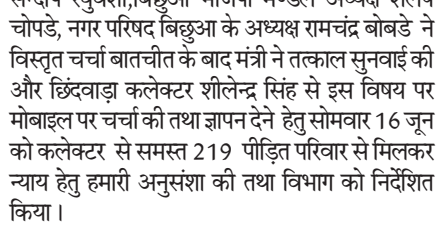

# 22 नग सागौन की लकड़ी जप्त



छिन्दवाड़ा। अवैध रूप से जंगल से काटवाकर सागौन की लकड़ी परिवहन करते पुलिस ने जप्त किया, वाहन सहित सागौन की 22 नग चिरान मोहखेड़ पुलिस ने जप्त की ।

# चांद पुलिस ने जुआ खेलते 6 आरोपी पकड़े, नगद व मोबाइल जब्त कर निकाला जुलूस

छिंदवाड़ा/चांद। थाना चांद पुलिस ने मंगलवार को जुआ खेलने की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। सभी आरोपी जयप्रकाश माहोरे के घर पर 52 ताश के पत्तों पर रुपए-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलते पकड़े गए। पुलिस ने मौके से ?10,120 नगद और 6 मोबाइल फोन, कुल कीमत लगभग रू.1.5 लाख जब्त किए।मुखबिर की सूचना पर हुई ताबड़तोड़ रेडपुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि चांद वार्ड क्रमांक 10 में जयप्रकाश माहोरे के घर पर जुआ फड़ संचालित हो रहा है। इस पर थाना प्रभारी के निर्देशन में टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी गई। पुलिस ने सभी जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया और उन्हें जुलूस की शक्ल में थाने लाया गया।

### गिरफ्तार आरोपियों के नाम इस प्रकार हैं

1. बबल पिता लाल सिंह साहू, निवासी चांद 2. संजय पिता सबल सिंह रघुवंशी, निवासी चांद 3. नेपाल पिता सावनय धोखे, निवासी चांद 4. श्रीराम पिता भैयालाल चौरसिया, निवासी चांद 5. ऋषि पिता सुदामा दास वैष्णव, वार्ड नं. 8, चांद 6. जयप्रकाश पिता चुन्नीलाल माहोरे, वार्ड नं. 10, चांद जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई सभी आरोपियों के विरुद्ध जुआ अधिनियम की धारा 3, 4 तथा 13 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। साथ ही, सभी के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया गया।

### चांद पुलिस का सख्त संदेश

पुलिस द्वारा आरोपियों का सार्वजनिक जुलूस निकालकर यह संदेश दिया गया कि जुआ जैसे अपराधों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में इस प्रकार की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

# वैश्य महासम्मेलन की जिला बैठक 13 जून को प्रदेश अध्यक्ष सुधीर अग्रवाल रहेंगे उपस्थित

छिंदवाड़ा । वैश्य महासम्मेलन छिंदवाड़ा के जिला अध्यक्ष श्री अनिल सिंघई ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन की प्रदेश कार्यसमिति के निर्णयानुसार प्रदेश के सभी जिलों में जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जा रही है। इसी तारतम्य में छिंदवाड़ा जिला कार्यकारिणी की बैठक 13 जून को स्थानीय रानी की कोठी में आयोजित की गई है । यह बैठक भोपाल से पधार रहे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुधीर जी अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश संगठन महामंत्री श्री विजय झांझरी की अध्यक्षता में संपन्न होगी जिसमें छिंदवाड़ा एवं पांढुरना जिले के वैश्य महासम्मेलन की वरिष्ठ इकाई, महिला इकाई एवं युवा इकाई की सभी तहसीलों के पदाधिकारीगण भाग लेंगे । बैठक में छिंदवाड़ा में संगठन के कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा होगी । वैश्य महासम्मेलन की छिंदवाड़ा जिला इकाई द्वारा इस बैठक में चर्चा हेतु वैश्य घटक समाजों के अध्यक्षों को भी आमंत्रित किया गया है ताकि परस्पर सहयोग और सम्मिलित रूप से आगामी कार्यक्रमों की संभावनाओं पर विचार विमर्श हो सके ।

# पुलिस ने नकली कीटनाशक रैकेट का भंडाफोड़ किया, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

## विभिन्न राज्यों में छापेमारी में 2 करोड़ से अधिक मूल्य के नकली कृषि रसायन ज़ब्त

छिंदवाडा। तेलंगाना पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए राजेंद्र चेचानी को गिरफ्तार किया है - जिसे राजू चेचानी के नाम से भी जाना जाता है, जो बड़े पैमाने पर नकली कीटनाशकों के रैकेट के मुख्य आरोपियों में से एक है। पुलिस ने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वित अभियान के दौरान 2 मई 2025 को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी गांव स्थित उसके फार्महाउस से उसे गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी भारत के कृषि क्षेत्र में नकली कीटनाशकों के बढ़ते खतरे को उजागर करती है, जहाँ भोले-भाले किसानों को अक्सर ऐसे उल्लंघनकर्ताओं द्वारा नकली उत्पादों के साथ धोखा दिया जाता है। ये नकली रसायन, हालांकि असली ब्रांड की तरह पैक किए जाते हैं, लेकिन अक्सर उनके हानिकारक या अप्रभावी अवयवों के कारण फसल को नुकसान पहुंचाते हैं जिसके कारण पैदावार कम होती है। नवीनतम गिरफ्तारी से कई राज्यों में फैली नकली कृषि रसायनों की आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण रूप से बाधा उत्पन्न होने की उम्मीद है। चेचानी पर आरोप है कि वह सात साल से भी ज़्यादा समय से इस तरह का एक जटिल अवैध व्यापार और अवैध नेटवर्क चला रहा है, जो भारत के 11 से ज़्यादा राज्यों में फैले अपने सहयोगियों के जरिए पूरे भारत में नकली कीटनाशकों का निर्माण और वितरण करता है। उसने दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में काम करने वाले सहयोगियों के एक बड़े नेटवर्क के ज़रिए प्रतिष्ठित एग्रोकेमिकल कंपनियों के लेबल वाले नकली उत्पाद सप्लाई किए।जांच में पता चला कि चेचानी की बस्सी में माहेश्वरी बीज एवं कीटनाशक नाम से एक दुकान भी है। वह कथित तौर पर देश भर में विभिन्न उल्लंघनकर्ताओं को पैकेजिंग सामग्री और तैयार नकली उत्पादों का प्रमुख आपूर्तिकर्ता था।

# 31 साल से पीडब्ल्यूडी विभाग में अटके अफसर, ट्रांसफर पॉलिसी के बावजूद मे इंजीनियर, सब इंजीनियर



मध्य प्रदेश में इस समय ट्रांसफर का सीजन चल रहा है। अधिकतर विभागों में तीन साल से अधिक समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ अफसरों के तबादले किए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग इस बीच अपवाद बना हुआ है। PWD में नियमों की अनदेखी खुलेआम हो रही है और एक 3 या 4 साल नहीं बल्कि 10 साल से ज्यादा समय से यहां अफसर जमे हुए हैं।

### सब इंजीनियर 31 साल से एक ही जगह जमे

357 सब इंजीनियर 10 से 31 साल तक एक ही जगह PWD के 357 सब इंजीनियर (उपयंत्री) ऐसे हैं जो एक ही जगह 10 से लेकर 31 साल से पदस्थ हैं। इनमें से 9 उपयंत्री ऐसे हैं जो पूरे 31 साल से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। इसके बावजूद इनका तबादला अब तक नहीं किया गया।

### मंत्री भी लाचार, सिफारिशें बनीं कवच

विभागीय मंत्री भी इन सब इंजीनियरों का तबादला कराने में असफल रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अधिकतर सब इंजीनियर ने किसी न किसी रसूखदार या जनप्रतिनिधि से सिफारिश लगवा रखी है। यही वजह है कि सालों से अफसर एक ही जगह पर नौकरी कर रहे हैं। कुछ साल पहले प्रयास जरूर हुआ था, लेकिन चार से छह महीने के अंदर ही सभी वापस अपनी पुरानी पोस्टिंग पर लौट आए।

### क्लास-वन अफसरों पर दिखा असर

PWD में क्लास-वन अधिकारियों जैसे सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और एसडीओ के तबादले जरूर किए गए हैं। पांच साल से अधिक पदस्थ 10 श्श्ध में से 9 के ट्रांसफर हो गए, जबकि 3 से 5 साल वाले श्श्ध में से सिर्फ एक ही बचे हैं। स्श्ध और स्छ्ह भी हटाए गए, लेकिन उपयंत्री अभी तक यथावत हैं।

10 से 31 साल के कितने अफसर
10 से 15 साल- 271
16 से 20 साल-49
21 से 25 साल-10
26 से 30 साल-18
31 साल से अधिक-9
3 साल में बदलने की नीति

स्क्क सरकार की नीति कहती है कि 3 साल के बाद ट्रांसफर अनिवार्य है। मगर पीडब्ल्यूडी में यह नीति महज फाइलों तक सिमटकर रह गई है। जब क्लास-वन अधिकारी बदले जा सकते हैं, तो सब इंजीनियरों पर यह नियम क्यों नहीं लागू किया जा रहा, यह एक बड़ा सवाल है।

# शा.आई.टी.आई. में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन एवं च्वॉईस फिलिंग 18 जून तक

छिन्दवाड़ा। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था छिंदवाड़ा के नोडल प्राचार्य श्री सी.बी.उईके ने बताया कि जिले की सभी 08 शासकीय आई.टी.आई. में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय डीएसडी पोर्टल या वेबसाइट http://mpiticounseling.co.in पर आवेदन 18 जून 2025 तक रजिस्ट्रेशन, च्वॉईस फिलिंग करते हुए इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि संचालित शासकीय आईटीआई में 21 व्यवसायों में प्रवेश होना है। प्रथम चयन सूची 23 जून 2025 को जारी की जायेगी एवं चयनित अभ्यर्थी 24 जून 2025 से 26 जून 2025 तक प्रवेश ले सकेंगे।

# अक्षय, भविष्य, राजवीर, संचारिका, प्रकृति, गुंजन बने चैंपियन

छिंदवाड़ा। जिला स्तरीय बैडमिंटन सीनियर जुनियर प्रतियोगिता का ओलिंपिक स्टेडियम में पुरूस्कार वितरण के साथ समापन हुआ । इस अवसर पर खिलाड़ियों को बीस हजार की स्कॉलरशिप एवं मैडल ट्राफी व व्यक्तिगत पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन हेतु विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला महिला बालविकास अधिकारी ब्रजेश शिवहरे,कोतवाली टी आई आशीष धुर्वे, स्पर्धा अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैंस, ओ पी शर्मा, प्रियकांत जुनेजा, बृजेश रघुवंशी, विकास सिंह बैंस, डॉ अनिल जैन,जावेद खान, राकेश चौरसिया ,विजय पावर, राकेश चौरसिया, अजहर खान, प्रीति मार्को, विनीता नेटी, प्रणय नामदेव विशेष रूप से उपस्थित थे। अक्षय मक्कड़, भविष्य सूर्यवंशी, राजवीर यदुवंशी, आरव शर्मा, ओम साहू, कनिष्क व महिला वर्ग में गुंजन नगरारे, संचारिका यादव, प्रकृति विश्वकर्मा, सुजाता परी, अक्षिता व अंकिता ने विजेता स्थान प्राप्त किया। चयनित खिलाड़ी आगामी राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

# सजल जैन का पी.एच.डी. के लिए चयन



छिंदवाड़ा। भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद के डॉक्टोरल प्रोग्राम में छिंदवाड़ा शहर के छोटी बाजार निवासी इंजीनियर सजल जैन का चयन हुआ जो जिले सहित प्रदेश ही नहीं सम्पूर्ण देश के साथ सकल जैन समाज के लिए गर्व की बात है। आई.आई.एम. अहमदाबाद भारत सरकार की एन. आई. आर. एफ. रैंकिंग में वर्षो से प्रबंधन क्षेत्र में प्रथम स्थान पर रहा है।समाज सेवी दीपक राज जैन ने बताया कि इस वर्ष हुई चयन प्रक्रिया में सजल जैन ने प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर कैंपस इंटरव्यू और लिखित परीक्षा में जगह बनाई, जिसमें उत्तीर्ण हो कर देश भर के सर्वश्रेष्ठ 20 स्कॉलर्स में पब्लिक सिस्टम ग्रुप के ऊर्जा क्षेत्र में एक मात्र पी.एच. डी. शोधार्थी के स्थान के लिए चयनित हुए।

# उचित मूल्य दुकान अन्य संस्था/स्वसहायता समूह को आवंटित करने आवेदन आमंत्रित

छिन्दवाड़ा। म.प्र.सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिला छिंदवाड़ा के अनुविभाग छिंदवाड़ा की तहसील मोहखेड़ में एक अतिरिक्त नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकाने खोलने व एक शासकीय उचित मूल्य दुकान अन्य संस्था/स्वसहायता समूह को आवंटित की जानी है जिसमें जो इकलबिहरी व टेमनीखुर्द शामिल है। एसडीएम छिंदवाड़ा ने बताया कि इसके अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं जिसकी विस्तृत जानकारी वेबसाईट 2 पर उपलब्ध है, जिस पर आवेदन की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन माध्यम से की जाना है। म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2015 की कण्डिका 8 (1) सहपठित अनुसूची (2) में संशोधित 16 अप्रैल 2016 (परिशिष्ट दो) के अनुसार उचित मूल्य दुकान आवंटन के लिये म.प्र. सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 के अंतर्गत पंजीकृत संस्था उपभोक्ता सोसायटी, उत्पादक सोसायटी, संसाधन सोसायटी, बहुप्रयोजन सोसायटी एवं महिला स्व-सहायता समूह, संयुक्त वनप्रबंधन समिति पात्र है । इच्छुक पात्र संस्थायें 12 से 14 जून तक दी गई वेबसाइट पर ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन मान्य नहीं किये जायेंगे।

# बाबा केदारनाथ दर्शन के लिए सदगुरु परिवार साधकों का जत्था रवाना

छिंदवाड़ा। अनगढ़ हनुमान मंदिर से सदगुरु परिवार का जत्था परम पूज्य महामंडलेश्वर श्री नागेन्द्र ब्रह्मचारी जी के सानिध्य में श्री केदारनाथ जी की यात्रा के लिए रवाना हुआ जिसमें 45 साधकों का दल सम्मिलित है जो




जबलपुर से रेलमार्ग से हरिद्वार के लिए निकलेंगे आगे बस द्वारा श्री केदारनाथ जी एवं बद्रीनाथ जी सहित अन्य धार्मिक स्थलों के दर्शन करेंगे आज सुबह सभी यात्रियों को यात्रा की मंगल कामना सहित शुभकामना दी गई भावभीनी बिदाई की गई

# आदिवासी वनवासियों की जमीन, मकान पट्टे के लिए मांगा न्याय

छिंदवाड़ा। पूर्व राष्ट्रीय महासचिव व मप्र शासन के नगरीय प्रशासन कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से



गुमतरा के आदिवासी वनवासी भाई की ज़मीन मकान पट्टे हेतु न्याय मांगते हुए ज्ञापन देते हुए भाजपा किसान नेता सन्दीप रघुवंशी,बिछुआ भाजपा मण्डल अध्यक्ष शैलेष चोपडे, नगर परिषद बिछुआ के अध्यक्ष रामचंद्र बोबडे ने विस्तृत चर्चा बातचीत के बाद मंत्री ने तत्काल सुनवाई की और छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह से इस विषय पर मोबाइल पर चर्चा की तथा ज्ञापन देने हेतु सोमवार 16 जून को कलेक्टर से समस्त 219 पीड़ित परिवार से मिलकर न्याय हेतु हमारी अनुसंशा की तथा विभाग को निर्देशित किया।

# रामकथा जीवन में उतारना चाहिए: संगीता किशोरी

## हरिकथा समीति में व्यापारी मण्डल के अध्यक्ष का किया सम्मान



छिंदवाड़ा। रामकथा को जीवन में उतारना चाहिए आम जन प्रभु की कथा तो सुनते हैं किन्तु उसे जीवन में नहीं उतारते, जबकि उसका अनुसरण करने से हमारा जीवन आनंदमय होगा उक्त बातें गांधीगंज पंचेश्वर हनुमान मंदिर में आयोजित रामकथा के समापन पर वनवासी व्यास कथाकार संगीता किशोरी ने की आज उन्होने राम विवाह से लेकर रामराज्य और राम जी के अभिषेक की कथा सुनाई। पंचेश्वर हनुमान मंदिर में 1 से 5 जून तक प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद रामकथा का आयोजन एकल अभियान एवं श्री हरिकथा योजना के तहत की गई थी। उन्होने कहा कि पुत्र का जन्म भाग्य से होता है किन्तु पुत्री का जन्म सौभाग्य से होता है। पति पत्नि का संबंध अटूट होता है। पत्नि को पति के प्रति समर्पित भावना रखना चाहिए। एकल अभियान एवं हरिकथा सत्संग समीति द्वारा गांधीगंज व्यापारी मण्डल के अध्यक्ष उमेश अग्रवाल एवं सचिव अशोक संचेती का स्वागत किया गया। कथाकार संगीता किशोरी द्वारा उनका सम्मान किया उन्होने कथा हेतु मंदिर परिसर एवं व्यवस्था उपलब्ध कराई थी। एकल अभियान के अध्यक्ष पुरूषोत्तम साहू, सचिव प्रशांत नंदनवार, गोविंद चौरसिया, श्रीमति शशि अग्रवाल, कुबेर सूर्यवंशी, अमृता रितेश पांडे, भारती दशरथ साहू, आराधना शुक्ला, श्रीमति कमलेश विश्वकर्मा, कमलेश साहू, संच समीति के मोरेश्वर मर्सकोले, अशोक गोहर, गोविंद डेहरिया, रामप्रसाद कुमरे, शिव मोहन सूर्यवंशी, संतकुमार यदुवंशी, मनोज सोनी, प्रदीप साहू, राजकुमार बट्टी, संतकुमार व्यास, अशोक व्यास, एवं अन्य सदस्यों का सहयोग मिला। अंत में भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सभी लोगों ने भाग लिया।

# एकल विधालय की श्रीराम कथा की संकीर्तन यात्रा में लस्सी वितरण

छिंदवाड़ा। परम् पूज्य संत आशारामजी बापू द्वारा प्रेरित श्री योग वेदांत सेवा समिति ने एकल विद्यालय अभियान श्रीराम कथा संकीर्तन यात्रा में लस्सी वितरित की । जिले में संचालित 254 एकल विद्यालय समिति द्वारा इन दिनों स्थानीय गांधी गंज में श्री राम कथा का भव्य आयोजन चल रहा है । जिसमें वनवासी व्यास कथाकार सुश्री संगीता किशोरी जी (रांची) नगरवासियों को सनातन संस्कृति के महत्व से अवगत करवा रही हैं । श्री राम कथा आयोजन समिति ने जिले के सांसद विवेक साहू, म.प्र. सरकार के पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, एकल विद्यालय अभियान के जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू, वरिष्ठ पत्रकार गोविंद चौरसिया एवं अन्य प्रतिष्ठित सेवा भावी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ संरक्षक में श्री योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई को भी शामिल किया है। एकल विद्यालय अभियान के जिले भर के आदिवासी वनवासी क्षेत्रों में जब भी कोई भव्य आयोजन होता हैं वहाँ समिति की भागीदारी अवश्य होती हैं। समिति जिले भर की अन्य सेवा भावी संस्था के साथ मिलकर सेवा कार्य करती हैं। समिति के पदाधिकारियों ने वनवासी कथाकार का भव्य स्वागत कर श्रीफल, शॉल और गुलदस्ता भेंट किया। समिति द्वारा जारी संकीर्तन यात्रा में सैकड़ों वनवासी और शहरवासियों को निश्शुल्क लस्सी ( मीठी छाछ ) वितरण की। सनद रहे कि एकल विधालय अभियान ने जिले भर के हजारों आदिवासी ,वनवासीयो के बच्चों को शिक्षा का उचित मंच प्रदान किया है जो बेहद सराहनीय है ।

# हनी ट्रैप गेम की मास्टर माइंड युवती गिरफ्तार



छिंदवाड़ा। अनमोल चरपे नामक युवक ने थाना देहात में रिपोर्ट दर्ज कराई कि साधना इवनाती और राजा खत्री नामक आरोपियों ने उन्हें ब्लैकमेल कर 10 लाख रुपये की मांग की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए साधना को गिरफ्तार कर लिया, जबकि राजा फरार है। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक अजय राणा के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात द्वारा टीम गठित की गई थी। इस टीम ने लगातार प्रयास कर आरोपी साधना को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। आरोपियों के खिलाफ धारा 308(4), 308(6), 61(2), 351(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।गौरतलब है कि आरोपियों ने पूर्व में भी दिलीप सातपुते नामक व्यक्ति से 74,000 रुपये वसूल किए थे और इसी तरह के मामले में उन्हें पहले भी गिरफ्तार किया गया था।इस कार्रवाई में निरीक्षक जी.एस. राजपूत, उनि वर्षा सिंह, उनि देवकरण डेहरिया, आरक्षक सौरभ बघेल, उमेश, महिला आरक्षी प्रमीला और रानू की विशेष भूमिका रही।

# ग्रामीण पंचायत दर्पण पोर्टल पर कार्य नही किये जाने का आरोप रोजगार सहायक की कलेक्टर से शिकायत

सांध्य प्रकाश बैतूल। ग्राम पंचायत केरपानी के रोजगार सहायक पंकज जैसवाल पर भेदभाव पूर्ण व्यवहार और पंचायत दर्पण पोर्टल पर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्राम पंचायत केरपानी के वार्ड सदस्य मिथलेश अग्निहोत्री ने इस संबंध में कलेक्टर को एक लिखित शिकायत सौंपते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता अग्निहोत्री ने बताया कि उन्होंने अपने खेत में लगे सागौन के पेड़ों की जानकारी पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज कराने के लिए रोजगार सहायक पंकज जैसवाल से कई बार निवेदन किया। लेकिन दुर्भावना वश इंकार कर दिया। आरोप है कि पंकज जैसवाल ने कहा मैं तुम्हारे पेड़ पंचायत दर्पण पोर्टल पर नहीं चढ़ाऊंगा क्योंकि तुम लोग झूठी शिकायत करते हैं। कहना है कि रोजगार सहायक पंकज खुद स्वीकार किया है। कि वह पिछले छह महीनों से पंचायत दर्पण पोर्टल पर कोई कार्य नहीं कर रहे हैं। ज्ञात हो कि 1 अप्रैल 2025 से मध्यप्रदेश शासन द्वारा नए नियम लागू किए गए है। जिसके अंतर्गत किसी भी पेड़ की कटाई की अनुमति केवल तब ही मिल सकती है । जब संबंधित पेड़ पंचायत दर्पण पोर्टल पर दर्ज हों। इस कारण पोर्टल पर जानकारी दर्ज नही होने के कारण ग्रामीणों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत यह भी की है। कि ग्राम पंचायत केरपानी में समग्र आईडी में नाम जोड़ने या काटने जैसे कार्यो के लिए भी रोजगार सहायक से ग्रामीणों को बार-बार परेशान होना पड़ता है। इस कारण ग्राम वासियों में असंतोष है। ग्राम पंचायत केरपानी के रोजगार सहायक जैसवाल को हाटने की मांग की है। इस दौरान पं.मिथलेश उर्फ पीयूष अग्निहोत्री, राहुल कासदे, आदिवासी नेता जितेंद्र सिंह इवने उपस्थित थे।

# कॉलोनाइजर पर प्रदेश सरकार सख्त

## नियम तोड़कर कॉलोनी बनाने पर होगी जेल, संपत्ति व बैंक खाते होंगे सीज

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में अवैध कालोनियों के खिलाफ सरकार अब कड़ा रुख अपनाने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति ने नियमों को दरकिनार कर गैरकानूनी तरीके से कॉलोनी बसाई, तो उसके खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

उसके साथ ही ऐसे कॉलोनाइजर की संपत्ति जब्त कर उसके बैंक खाते सीज किए जाएंगे। मोहन सरकार ने इस दिशा में मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों को और सख्त करने की तैयारी कर ली है। नए नियमों का प्रारूप बन चुका है और इसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

### 37 साल पुराने कानून में अब आएगा बदलाव

वर्ष 1998 से ही मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों में यह प्रावधान है कि कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त किसी भी अवैध कॉलोनी के निर्माण पर कॉलोनाइजर को जेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें पुलिस को सीधे गिरफ्तारी का अधिकार है। इसके बावजूद अब तक किसी कॉलोनाइजर पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अवैध कॉलोनियों की संख्या लगातार बढ़ती गई। अब सरकार नियमों को प्रभावी और सख्त बनाकर इस समस्या पर अंकुश लगाने जा रही है।

### अनधिकृत कॉलोनियों का अधिग्रहण करेगी सरकार

नए प्रस्ताव के अनुसार किसी कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटी, तो सरकार पहले उस कॉलोनी का अधिग्रहण करेगी। उसके बाद वहां मौजूद खाली प्लॉट को सरकार द्वारा बेचा जाएगा और कॉलोनी का व्यवस्थित विकास किया जाएगा।

इससे स्थानीय निकायों को राजस्व की हानि से बचाया जा सकेगा। रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा ऐसे कॉलोनियों का सर्वे करवाया जा रहा है। जब तक सर्वे पूर्ण नहीं होता, तब तक उन कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक रहेगी।

### वैध करने के पुराने नियमों में भी बदलाव

पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने वर्ष 2022 तक की अवैध कॉलोनियों को वैध करने का निर्णय लिया था। इसके लिए 2021 में कॉलोनी विकास नियमों में संशोधन कर 31 दिसंबर 2016 तक बनी कॉलोनियों को वैध करने का प्रविधान जोड़ा गया था।

वर्तमान में यह संशोधित नियम लागू है, जिसमें यह भी तय किया गया कि एलआईजी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के रहवासियों से कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। जबकि अन्य वर्गों से विकास शुल्क का केवल 50 प्रतिशत ही वसूला जाएगा और शेष 50 प्रतिशत राशि निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

### प्रदेश में 3000 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां

प्रदेश में वर्तमान समय में 3000 से अधिक अवैध कॉलोनियां हैं। इनमें अधिकांश नगर निगम और नगर निकाय की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। अब सरकार का उद्देश्य ऐसे अवैध निर्माण को पूरी तरह से रोकना है।

सरकार चाहती है कि भविष्य में कोई भी कॉलोनाइजर नियमों का उल्लंघन कर कॉलोनी विकसित न कर सके। इसके लिए कठोर कानूनी व्यवस्था की जा रही है ताकि प्रदेश का नगरीय विकास सुव्यवस्थित तरीके से हो सके।

# अब वन विहार में भी देखे जा सकेंगे अफ्रीका के जिराफ और जेब्रा

## अंतरराष्ट्रीय टेंडर की तैयारी शुरू

**भोपाल।** प्रदेश के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में जल्द ही जेब्रा और जिराफ जैसे आकर्षक और दुर्लभ विदेशी प्राणी दिखाई देंगे। लंबे समय से ठंडी पड़ी इस महत्वाकांक्षी योजना को एक बार फिर से गति दी जा रही है। वन विहार प्रशासन अब अफ्रीका से इन प्राणियों को लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय टेंडर प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है।

बता दें कि इस टेंडर के माध्यम से एक ऐसी विशेषज्ञ एजेंसी को नियुक्त किया जाएगा जो अफ्रीका के किसी देश से जेब्रा और जिराफ लाने की प्रक्रिया को पूरा करेगी। वन विहार में बबूल की प्रजातियों की पत्तियां, फल और फूल के पेड़-पौधे भी हैं, इसलिए यह जिराफ-जेब्रा के लिए अनुकूल माना गया है। वहीं, तत्कालीन वन मंत्री डॉ. विजय शाह ने अफ्रीका से जिराफ-जेब्रा लाने की बात कह चुके हैं। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मास्टर ले-ऑउट प्लान को अफ्रूवल मिल गई है। जू-अथॉरिटी के निर्देशानुसार आगे की प्रोसेस की जा रही है।

### इस तरह काम करेंगी एजेंसी

टेंडर में नियुक्त एजेंसी न केवल जानवरों के चयन और उन्हें लाने का काम करेगी, बल्कि समुद्री मार्ग से इन जानवरों को भारत लाने के लिए आवश्यक कार्गो शिपिंग की व्यवस्था भी करेगी। यह एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें जानवरों की सुरक्षा, देखभाल और परिवहन से संबंधित सभी अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

### पर्यटक विदेशी वन्य प्राणी को करीब से देख सकेंगे

वर्तमान में, मध्य प्रदेश के किसी भी राष्ट्रीय उद्यान में जेब्रा और जिराफ नहीं हैं। यदि यह योजना सफल होती है, तो वन विहार ऐसा पार्क बन जाएगा जहां पर्यटक इन विदेशी जानवरों को करीब से देख सकेंगे। वन विहार प्रबंधन को उम्मीद है कि जेब्रा और जिराफ के आने से वन विहार की लोकप्रियता में वृद्धि होगी, जिससे देश-विदेश से अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

### शेर-बाघ के साथ देख सकेंगे जिराफ-जेब्रा

बता दें कि वन विहार में शेर, बाघ, भालू, लोमड़ी, तेंदुआ, हिरण, बारहसिंगा समेत अन्य जानवर हैं। जिनके दीदार के लिए बड़ी संख्या में रोजाना पर्यटक पहुंचते हैं। अगले कुछ महीनों में उन्हें जेब्रा और जिराफ के भी दीदार हो सकेंगे।

# भोपाल-दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस पर दो बार हुआ पथराव, कोच के शीशे टूटे

**भोपाल।** भोपाल से दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस पर बुधवार को दो स्थानों पर पथराव हुआ, जिससे ट्रेन के शीशे टूट गए। पहला पथराव दतिया के पास हुआ, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने चलती ट्रेन पर पत्थर फेंके। इसके बाद, ट्रेन ग्वालियर स्टेशन पर पहुंची तो वहां भी पथराव की घटना हुई। शताब्दी एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या- 12001 के कोच ष्ट3 पर हमला हुआ। पथराव इतना जोरदार था कि कोच के शीशे टूट गए। घटना में यात्री बाल-बाल बच गए। घटना के बाद ग्वालियर स्टेशन पर शताब्दी एक्सप्रेस को रोक दिया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों से पूछताछ शुरू कर दी है। अभी तक पथराव करने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। यात्रियों ने बताया कि पथराव के बाद वे काफी दहशत में थे।

# कटहल की सब्जी में गिरकर पका सांप, 150 लोगों ने किया भोजन, मचा हड़कंप

**सीधी।** एमपी के सीधी जिले में पुलिस चौकी पथरौला अंतर्गत बनिया टोला गांव में गुप्ता समाज द्वारा आयोजित गुरु दीक्षा कार्यक्रम में बनी कटहल की सब्जी में सर्प गिर गया। इसकी जानकारी लोगों को नहीं हुई। कार्यक्रम में शामिल करीब डेढ़ सैकड़ा से अधिक लोगों ने सब्जी खाई और घर चले गए। अंतिम में कड़ाहे से सब्जी निकालते समय मृत सर्प मिला। इसकी जानकारी होते ही लोगों के होश उड़ गए।

गांव में बात फैली तो जिसने भी भोजन किया था, वह काफी डर गया, करीब 12-15 लोगों को उल्टी व घबराहट की समस्या हुई तो उन्हें उपचार के लिए सीएचसी मझौली ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। सीएचसी मझौली के चिकित्सकों ने बताया, जहर फैलने संबंधी कोई समस्या नहीं है, जिन लोगों को समस्या हुई व डर की वजह से है, इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

**शाम 5 बजे से शुरू हुआ था भोजन-** बनिया टोला में मंगलवार की दोपहर गुरु दीक्षा का कार्यक्रम था। यहां शामिल सभी के लिए भोजन भी बना था। जिसमें कटहल की सब्जी भी शामिल थी। भोजन शाम करीब 5 बजे से शुरू हो गया था। क्रमशः लोग भोजन कर अपने-अपने घर जा रहे थे। रात करीब 10 बजे जब कड़ाहे में सब्जी की मात्रा कम बची तब उसमें सर्प का बच्चा दिखा। इसके बाद यह बात पूरे गांव में फैल गई।

### तेज आंधी और बारिश ने पहुंचाया को नुकसान

# रानी कमलापति स्टेशन पर पुरानी बिल्डिंग के दो छज्जे गिरे

**भोपाल।** तेज हवा और आंधी ने बुधवार रात राजधानी में कहर बरपा दिया। इसका सबसे बड़ा असर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग पर देखने को मिला, जहां तेज आंधी के चलते भवन के दो छज्जे भरभराकर नीचे गिर गए। हादसा रात करीब 9 बजे का बताया जा रहा है। छज्जे गिरने से स्टेशन की पुरानी बिल्डिंग के अंदर और बाहर मलबा फैल गया। बाहर स्थित रेस्टोरेंट को भी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा तेज हवाओं के कारण प्लेटफार्म नंबर-5 की तरफ लगे एडवर्टाइजमेंट बोर्ड और स्टेशन की बिल्डिंग के कांच भी टूट गए। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

### पुरानी बिल्डिंग परिसर में मलबा फैल गया

रेलवे प्रबंधन और बंसल ग्रुप की टीम मौके पर पहुंचकर तुरंत मलबा हटाने के काम में जुट गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए एहतियातन कदम उठाए जा रहे हैं।वहीं घटना के बाद स्टेशन पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, हालांकि कुछ ही समय में स्थिति सामान्य हो गई। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया गया।

### नगरीय विकास एवं आवास विभाग का प्रयास

# शहरों में हरियाली बढ़ाने गुर सीखेंगे मंत्री, महापौर, सांसद, विधायक, नपा अध्यक्ष

**भोपाल।** नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा 13 जून को राजधानी के रवीन्द्र भवन में कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। इसे अमृत हरित अभियान नाम दिया गया है। कार्यशाला का उद्देश्य नगरीय क्षेत्रों में हरित क्षेत्र के विस्तार और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों का प्रसार करना है। नगरीय विकास और आवास विभाग ने इसके निर्देश सभी नगरीय निकायों को जारी कर दिए हैं। कार्यशाला में मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। बढ़ती गर्मी और सीमेंट कांक्रीट से पटते शहरों के कारण बिगड़ रही आबोहवा में बदलाव लाने नगरीय विकास और आवास विभाग ने कवायद शुरू की है। इसके लिए प्रदेश के नगरीय निकायों में हरियाली वाले क्षेत्र का विस्तार करने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों को बढ़ावा देने राज्य सरकार द्वारा नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों और अफसरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

### प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे

कार्यशाला में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। हर नगर निगम से 6, नगरपालिका परिषद से 4 और नगर परिषद से 2 प्रतिभागियों की उपस्थिति रहेगी।कृषि और उद्यानिकी से संबंधित उत्पादों एवं यंत्रों की प्रदर्शनी के साथ ही नर्सरी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा। विभिन्न संस्थानों जैसे इफ्को एवं भारतीय प्रबंध संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा चर्चा की जाएगी। स्थानीय वृक्ष प्रजातियों की विशेषता एवं संरक्षण, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की जाएगी। बगीचों के लिए तकनीक एवं उपकरण की आवश्यकता, पौधरोपण और अधिनियमों का विश्लेषण तथा पौधरोपण के बाद उसके समुचित प्रबंधन पर चर्चा होगी। कार्यशाला में दिव्यांग पार्क, होशंगाबाद एवं उज्जैन की सफलता की कहानियों को भी साझा किया जाएगा। इन कहानियों पर आधारित फिल्म का प्रजेंटेशन किया जाएगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सभी नगरीय निकायों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा। पौधरोपण कार्य में शामिल शासकीय और अशासकीय संगठनों के प्रतिनिधि भी कार्यशाला में भाग लेंगे।

# हर चौथी महिला को फैटी लिवर का खतरा, कमर नाप कर पता करें रिस्क

## 12 हजार हेल्थ सेंटर्स पर आज चलाया जा रहा जांच अभियान

**भोपाल।** ग्लोबल फैटी लिवर डे के अवसर पर गुरुवार को प्रदेश में एक साथ 12,264 हेल्थ सेंटर्स में लोगों की कमर का माप लिया जाएगा। साथ ही, बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) चेक किया जाएगा। इस अभियान में डॉक्टर्स, जनप्रतिनिधि, मेडिकल स्टाफ, मरीज और परिजनों की भी इंच टेप से जांच की जाएगी। इसके अलावा, नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज विषय पर रैलियां और पोस्टर प्रतियोगिता जैसे आयोजन भी होंगे। यह आयोजन स्वस्थ यकृत (लिवर) मिशन के तहत किए जा रहे हैं। इस कड़ी में वेबिनार होगा। जिसमें पद्म भूषण डॉ. शिव कुमार सरीन दिल्ली से जुड़ेंगे। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी शामिल हो सकते हैं। मोटापा, सुस्त जीवनशैली और असंतुलित खानपान अब केवल सौंदर्य या फिटनेस का मुद्दा नहीं रहा, यह खतरनाक साइलेंट किलर के रूप में उभर रहा है। मध्यप्रदेश में चल रहे स्वस्थ यकृत मिशन के तहत अब तक 8.5 लाख लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। चौंकाने वाले आंकड़ों के अनुसार, 19त्न पुरुष और 24 प्रतिशत महिलाएं

पहले ही फैटी लिवर के रेड जोन में पाई गई हैं।

यह बीमारी, जिसका नाम है नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज (एनएएफएलडी), दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रही लिवर संबंधी बीमारी बन चुकी है। यदि मोटापा (पुरुषों में 90 सेंटीमीटर और महिलाओं में 84 सेंटीमीटर से अधिक का कमर का माप), आलसी दिनचर्या और खराब खानपान में से कोई दो फैक्टर आप से जुड़े हैं तो यह आपको भी हो सकता है। इसके गंभीर होने पर लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प रह जाता है।

**जागरूकता ही सबसे बड़ा उपचार-** नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) की एमडी डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि निरोगी काया अभियान हो या स्वस्थ यकृत मिशन, इनका मुख्य उद्देश्य मरीजों की पहचान से ज्यादा जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे पैरामीटर्स हैं, जिन्हें हर व्यक्ति पहचान कर खुद को और अपनों को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से सुरक्षित रख सकता है। इस मिशन के तहत कमर का माप, गर्दन के पीछे की त्वचा का निरीक्षण और बीएमआई चेक किया जा रहा है। जैसे बीपी और डायबिटीज की दवा एक बार शुरू होने पर अक्सर बंद नहीं होती, वैसे ही लिवर के रोगों में भी पहले से पता चलना और सुधार करना बेहतर विकल्प है, ताकि जीवन भर दवाइयों पर निर्भर न रहना पड़े। यह जांच अभियान विशेष रूप से 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए चलाया जा रहा है। इसमें हर व्यक्ति की ऊंचाई, वजन और कमर का माप लिया जा रहा है। जिससे फैटी लिवर के संभावित संदिग्धों की पहचान की जा सके और उन्हें आगे की जांच व डॉक्टरी सलाह के लिए भेजा जा सके।

### फैटी लिवर के 3 ग्रेड और लक्षण

**ग्रेड वन (माइल्ड स्टेज)-** लिवर में 5 से 20 फीसदी चर्बी जमा होती है। इसमें कोई लक्षण नहीं दिखते और मरीज खुद को स्वस्थ महसूस करता है। यह स्टेज रिवर्स हो सकती है।

**ग्रेड टू (मॉडरेट स्टेज)-** लिवर में चर्बी की मात्रा 20 से 55 फीसदी तक होती है। इसमें थकान, हल्का पेट में भारीपन या असहजता महसूस हो सकती है। यह स्टेज भी रिवर्स हो सकती है।

**ग्रेड थ्री (सीवियर स्टेज)-** लिवर में 55 फीसदी से ज़्यादा फैट जमा हो चुका होता है। इस स्टेज में पेट में दर्द, सूजन और लिवर एंजाइम्स का स्तर बढ़ जाता है। इस स्टेज में उपचार मुश्किल माना जाता है।

### यहां लगेंगे स्वास्थ्य यकृत मिशन कैंप

- जिला अस्पताल - 52
- सिविल अस्पताल - 161
- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (30 बेड) - 348
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (6 बेड) - 1 हजार 442
- उप स्वास्थ्य केंद्र - 10 हजार 256
- पॉली क्लिनिक - 5